दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्ष:- 06
अंक:- 179
मुरादाबाद
(Monday)
19 October 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

नवमं सिद्धिदात्री

'ओम ऐं ह्रीं क्लीं सिद्धिदात्र्यै नम:

देवी महागौरी आपको भौतिक जगत में प्रगति के लिए आशीर्वाद और मनोकामना पूर्ण करती हैं, ताकि आप संतुष्ट होकर अपने जीवनपथ पर आगे बढ़ें।

माँ सिद्धिदात्री आपको जीवन में अद्भुत सिद्धि, क्षमता प्रदान करती हैं ताकि आप सब कुछ पूर्णता के साथ कर सकें। सिद्धि का क्या अर्थ है? सिद्धि, सम्पूर्णता का अर्थ है - विचार आने से पूर्व ही काम का हो जाना। आपके विचारमात्र से ही, बिना किसी कार्य किए आपकी इच्छा का पूर्ण हो जाना, यही सिद्धि है। आपके वचन सत्य हो जाएँ और सबकी भलाई के लिए हों। आप किसी भी कार्य को करें वह सम्पूर्ण हो जाए - यही सिद्धि है। सिद्धि आपके जीवन के हर स्तर में सम्पूर्णता प्रदान करती है। यही देवी सिद्धिदात्री की महत्ता है।

कैंसर की 137 दवाएं होंगी सस्ती: 9 नवंबर से लागू होंगी नई कीमतें

कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 137 दवाओं पर मुनाफे की सीमा तय कर दी गई है, जिससे इनके खुदरा दाम 70त्न तक घटने की उम्मीद है। 9 नवंबर से लागू होने वाले इस फैसले से मरीजों को कितनी राहत मिलेगी और नई कीमतें कैसे पता चलेंगी?दवा मूल्य नियामक एनपीपीए ने शनिवार को कैंसर-रोधी 137 गैर-अनुसूचित दवाओं के मुनाफे को 30त्न तक सीमित कर दिया। इससे इन जीवन रक्षक दवाओं के खुदरा मूल्य में 70त्न तक की गिरावट आने की उम्मीद है। यह फैसला 9 नवंबर से लागू होगा। उपभोक्ता एनपीपीए की वेबसाइट और फार्मा सही दाम मोबाइल एप के जरिये नई कीमतें देख सकेंगे।नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने बताया, यह कदम स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) की विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर उठाया है। समिति ने मुनाफे को तर्कसंगत बनाने के लिए 137 दवाओं की सिफारिश की थी। एनपीपीए की 2019 में पायलट टीएमआर योजना लॉन्च की थी। इसके तहत कैंसर-रोधी 42 दवाओं के मुनाफे को 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया था

प्रदेश में किसानों के बच्चों के लिए दोगुनी हुई छात्रवृत्ति की सीटें, अब सालाना मिलेंगे 60 हजार रुपये

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना के तहत किसानों और खेतिहर मजदूरों के मेधावी बच्चों के लिए छात्रवृत्ति की सीटें दोगुनी कर दी गई हैं। अब कृषि विश्वविद्यालयों में 90 और महाविद्यालयों में 30 विद्यार्थियों को सालाना 60 हजार रुपये मिलेंगे। निर्धारित सीटें 1,410 से बढ़कर 2,820 हो गई हैं।प्रदेश सरकार ने किसानों और खेतिहर मजदूरों के मेधावी बच्चों के लिए कृषि शिक्षा में छात्रवृत्ति की निर्धारित सीटें दोगुनी कर दी हैं। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद की मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत अब प्रत्येक कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि संस्थान में 45 के स्थान पर 90 तथा प्रत्येक कृषि महाविद्यालय में 15 के स्थान पर 30 विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर सालाना 60 हजार रुपये की छात्रवृत्ति मिलेगी।

वर्तमान में मंडी परिषद द्वारा मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्रदेश के 11 कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि संस्थानों तथा 61 कृषि महाविद्यालयों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। सीटों में बढ़ोतरी के बाद इन संस्थानों में छात्रवृत्ति की कुल निर्धारित संख्या 1,410 से बढ़कर 2,820 हो गई है। इससे अधिक मेधावी विद्यार्थियों को उच्च कृषि शिक्षा का अवसर मिलेगा और भविष्य में कृषि वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों तथा कृषि आधारित उद्यमियों की नई पीढ़ी तैयार होने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।सालाना मिलेगी 60 हजार रुपये की छात्रवृत्ति-मंडी परिषद ने छात्रवृत्ति की मासिक राशि तीन हजार से बढ़ाकर पांच हजार रुपये कर दी है। इससे चयनित विद्यार्थियों को अब सालाना 36 हजार के स्थान पर 60 हजार रुपये मिलेंगे। प्रत्येक चयनित विद्यार्थी को 24 हजार रुपये की अतिरिक्त वार्षिक आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

अब तक 6,454 विद्यार्थियों को 22.90 करोड़ की सहायता-मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2025-26 तक कुल 6,454 विद्यार्थियों को लगभग 22.90 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है। अब निर्धारित संख्या बढ़ने से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को योजना का लाभ प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

संशोधित व्यवस्था में कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में कृषि स्नातक के लिए छात्रवृत्ति की संख्या 25 से बढ़ाकर 50, गृह विज्ञान स्नातक के लिए 6 से 12, कृषि स्नातकोत्तर के लिए 10 से 20 तथा गृह विज्ञान स्नातकोत्तर के लिए 4 से 8 कर दी गई है। कृषि महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर यह संख्या 10 से बढ़ाकर 20 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 5 से बढ़ाकर 10 की गई है। कृषि के साथ उद्यान, वानिकी, पशुपालन एवं संबंधित विषयों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थी भी योजना में शामिल हैं।मेरिट से चयन, खेतिहर मजदूरों के बच्चों को भी लाभ- योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के निवासी कृषकों एवं खेतिहर मजदूरों के पुत्र-पुत्रियों तथा उन पर पूर्ण रूप से आश्रित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जाती है। स्नातक पाठ्यक्रम के लिए यूपी बोर्ड से इंटरमीडिएट में न्यूनतम 70 प्रतिशत तथा अन्य बोर्ड से 85 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। स्नातकोत्तर के लिए स्नातक स्तर पर कम से कम 70 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। चयन मेरिट के आधार पर होता है।

मंडी परिषद के निदेशक जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में किसानों और खेतिहर मजदूरों के मेधावी बच्चों को उच्च कृषि शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। छात्रवृत्ति की संख्या और धनराशि में वृद्धि से आर्थिक रूप से कमजोर किसान परिवारों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मायावती का एलान: अब आकाश आनंद के जिम्मे होंगी जनसभाएं-सम्मेलन, ईशान को दी गई दिल्ली की जिम्मेवारी

मायावती ने एक बार फिर से अपने भतीजे आकाश आनंद के हाथ मजबूत किए हैं। मायावती ने एक ट्वीट के जरिए बताया कि आकाश आनंद ही यूपी में प्रमुख चेहरा होंगे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी संगठन और आगामी कार्यक्रमों को लेकर एक विस्तृत बयान जारी किया है। उन्होंने बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की परिपक्वता और मेहनत की सराहना करते हुए उनके आगामी जनसभा कार्यक्रमों की सूची जारी की है, जबकि उनके रिश्तेदार अशोक सिद्धार्थ की पार्टी में वापसी की सभी संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है। इसके अलावा, उन्होंने अपने दूसरे भतीजे ईशान आनंद की भी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में सक्रिय भूमिका की घोषणा की है। आकाश आनंद की राजनीतिक सूझबूझ की सराहना- मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने के बाद, बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद काफी सूझबूझ और परिपक्वता (मैच्योरिटी) का परिचय दे रहे हैं। वे परिवार और रिश्ते-नातों से ऊपर उठकर बसपा पार्टी व मूवमेंट के कार्यों को प्राथमिकता दे रहे हैं और अपनी जिम्मेदारियों को पूरी मेहनत से निभा रहे हैं। 28 अक्टूबर 2026– बुलंदशहर (यूपी) 02 नवंबर 2026– सहारनपुर (यूपी) 20 नवंबर 2026– अयोध्या (यूपी) 22 नवंबर 2026– आगरा (यूपी) 29 नवंबर 2026– कानपुर नगर (यूपी) 26 नवंबर 2026– %संविधान दिवस% के अवसर पर पंजाब में आयोजित विचार संगोष्ठी समारोह (मुख्य अतिथि) 06 दिसंबर 2026– बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर हरिद्वार (उत्तराखंड) में जनसभा अशोक सिद्धार्थ की वापसी पर पूर्ण विराम मायावती ने स्पष्ट किया कि पिछले दिनों हुए अप्रिय घटनाक्रमों के लिए आकाश आनंद कम और उनके रिश्तेदार अशोक सिद्धार्थ ज्यादा जिम्मेदार थे। इसी वजह से अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर कर राजनीति से संन्यास लेने की सलाह दी गई थी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सतर्क करते हुए कहा कि इन अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें कि अशोक सिद्धार्थ को दोबारा पार्टी में लिया जाएगा। उन्हें अब किसी भी स्थिति या कीमत पर बसपा में वापस नहीं लिया जाएगा।

कोलकाता भगदड़: पंडालों में वीआईपी एंट्री पर रोक, जांच की कमान जज को; हादसे के बाद सीएम शुभेंदु सख्त

कोलकाता के दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मृतकों के परिवारों और घायलों के लिए मुआवजे का एलान किया है। छह आरोपी गिरफ्तार हैं और जांच के लिए न्यायाधीश की अगुवाई में टीम बनेगी।पश्चिम बंगाल के कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ की घटना के बाद बंगाल सरकार ने राहत और सुरक्षा से जुड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। अस्पताल में घायलों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले 19 लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, मामले में छह लोगों को गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत में रखा गया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, मृतकों में से 18 पश्चिम बंगाल के निवासी थे। प्रशासन की प्राथमिकता शवों का पोस्टमार्टम कराने और उन्हें परिजनों को सौंपने की थी। उन्होंने बताया कि अब तक आठ से नौ शव परिवारों को सौंपे जा चुके हैं।हादसे के बाद पूजा पंडालों में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार सख्ती बरतने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरत पड़ने पर पंडालों में दर्शकों के प्रवेश को सीमित किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हालिया घटना को देखते हुए वीआईपी प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। मौजूदा न्यायाधीश की अगुवाई में बनेगी तथ्य-जांच टीम- मुख्यमंत्री ने बताया कि घटना की जांच के लिए गठित तथ्य-जांच टीम की अगुवाई उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश करेंगे। वहीं, पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेकर मामला दर्ज कर लिया है। सरकार ने पुलिस को लोगों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। मृतकों के परिजनों को मिलेगा 25 लाख रुपये का मुआवजा- मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अलावा, घटना में घायल हुए 25 लोगों के परिवारों को भी 5-5 लाख रुपये के चेक दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 26 अक्तूबर को आयोजित होने वाले विजय सम्मेलन कार्यक्रम के दौरान मृतकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसी कार्यक्रम में घायलों के परिवारों को मुआवजे के चेक सौंपने की भी योजना है। छह आरोपी गिरफ्तार, दो घायल ढ्ष्ट में- मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी पुलिस हिरासत में हैं। मामले में पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए केस दर्ज किया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। हादसे में घायल हुए 25 लोगों में से दो की हालत ऐसी है कि उन्हें फिलहाल आईसीयू में रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस को आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हालात से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।शव परिजनों को सौंपने के लिए तैनात किए गए मजिस्ट्रेट- शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि मृतकों के शव उनके परिवारों को सौंपने की प्रक्रिया में मदद के लिए अलग-अलग स्थानों पर मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारियों को तैनात किया गया है। ये अधिकारी परिजनों के साथ श्मशान घाट तक भी जाएंगे, ताकि अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में उन्हें सहायता मिल सके।

चोरबागान भगदड़: टीएमसी के ममता गुट का शुभेंदु अधिकारी पर निशाना, कहा- सीएम के भतीजे हैं समिति के मुख्य संरक्षक

कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ से 19 लोगों की मौत के बाद टीएमसी के ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और कोलकाता पुलिस पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक के रूप में सूचीबद्ध मुख्यमंत्री के भतीजे देबदीप अधिकारी का भी जिक्र किया।पश्चिम बंगाल के कोलकाता में चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ से 19 लोगों की मौत के बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और कोलकाता पुलिस पर तीखा हमला बोला है। अधिकारी का नाम भी उठाया है। विपक्षी पार्टी ने घटना से निपटने के लिए प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़े किए हैं। उसका आरोप है कि शनिवार शाम लोकप्रिय चोरबागान पूजा पंडाल में पर्याप्त भीड़ प्रबंधन, पुलिस की मौजूदगी और आपातकालीन इंतजामों की कमी ने इस त्रासदी में योगदान दिया।ममता की पार्टी ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट के जरिए आरोप लगाया कि जब पंडाल में हालात बेकाबू हुए, तब वहां पर्याप्त पुलिसकर्मी, नागरिक स्वयंसेवक और एंबुलेंस मौजूद नहीं थीं। पार्टी ने इन कथित कमियों को हादसे से जोड़ते हुए प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाए हैं।उत्तरी कोलकाता के एक सामुदायिक दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि अचानक हुई बारिश, एक भ्रामक घोषणा और पंडाल परिसर में मौजूद सुरक्षा एवं प्रबंधन संबंधी गंभीर खामियों के कारण स्थिति बेकाबू हो गई, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अचानक हुई बारिश से इंतजार कर रहे लोग भीगने से बचने के लिए जल्दी से पंडाल के अंदर जाने की कोशिश करने लगे। पंडाल के अंदर पहले से मौजूद लोग बारिश की वजह बाहर नहीं आ रहे थे। लेकिन इसे पूजा आयोजकों की ओर से कोई बहाना नहीं माना जा सकता। पूजा आयोजकों की ओर से भारी चूक हुई थी, जिसके कारण अफरा-तफरी मच गई। पंडाल गिरने की घोषणा से लोगों में फैली घबराहट- जब बारिश की वजह से अफरा-तफरी शुरू हुई, तो एक भ्रामक घोषणा की गई जिसमें लोगों से कहा गया कि पंडाल का ढांचा गिरने के डर से वे तुरंत बाहर निकल जाएं। शहर के पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस घोषणा से वहां मौजूद लोगों में और ज्यादा घबराहट फैल गई। लोग बाहर निकलने के लिए तेजी से भागने लगे, और कुछ लोग तो बाहर जाने के लिए प्रवेश द्वार (एंट्री गेट) की तरफ दौड़ पड़े। इसी वजह से भगदड़ मच गई और इतनी बड़ी त्रासदी हो गई। वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी बताया कि हालात और स्थानीय निवासियों तथा चश्मदीदों के बयानों से पता चलता है कि शनिवार शाम को पंडाल परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के इंतजाम नाकाफी थे, जिसने इस दुखद घटना में बड़ी भूमिका निभाई। जांच टीम ने यह भी पाया कि घटनास्थल पर पुलिसकर्मियों और निजी सुरक्षा गार्डों की संख्या जरूरत से बहुत कम थी, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई।पुलिस ने सात लोगों को किया गिरफ्तार- पुलिस ने इस मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें चोरबगान सर्वजनीन दुर्गा पूजा समिति के शीर्ष पदाधिकारी और पंडाल परिसर में भीड़ प्रबंधन व सुरक्षा के प्रभारी लोग शामिल हैं। इन सभी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 के तहत गैर-इरादतन हत्या से जुड़ी धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

संपादकीय Editorial

New District Maps

The current government is looking to play a major political game with the establishment of the Administrative Reorganization Commission in Himachal. The four-member commission, headed by retired Justice Dharam Chand Chaudhary, will include advocate Vishal Panwar, retired IFS officer Rajesh Sharma, and the Director of the Himachal Land Records Department as its member secretary. The commission is scheduled to submit its report in six months, around the budget session. Whether the draft is weighed on the basis of need and practicality or is slowly cooked on the fire of politics will be evident from its impact. For the BJP, the political opponent, this is a portrayal that will directly link Chief Minister Sukhwinder Singh Sukhu with new regional possibilities, hopes, and ambitions in a new map of success. This is Sukhu's credibility in the reorganization of Himachal, a draft that, on the face of it, will create a line of a hundred sick people in front of a single pomegranate. If the government finally fulfills its vow to always split three of the state's twelve districts, it would be a very bold political move. While the tiny Hamirpur district has produced three Chief Ministers, it is believed that splitting Kangra, Mandi, and Shimla would create more politically equal areas. Administrative decentralization has already begun with the creation of police districts in Dehra and Nurpur, while a separate transport wing and additional administrative infrastructure are being strengthened in Dehra. Thus, while the arguments for the formation of new districts are being strengthened elsewhere, the government in Dehra is already offering "flattering" or "yes, I'm fine." Politically, Ramesh Dhawaala once used Dehra district as a weapon in his electoral campaign to seize power.

In this context, the then Chief Minister Prem Kumar Dhumal checked the pulse of the group led by Rakesh Pathania from Nurpur at the Tapovan session. It's a different matter that the resolution of such questions doesn't lead to any lasting political success. A few days ago, the Chief Minister, at a function, insisted that the state's economic situation be taken into account when making any decision. Therefore, this very condition will hinder the creation of new districts. The average financial burden of a new district is approximately five hundred crore rupees annually. Therefore, if four new districts are created, this cost will drain at least two thousand crore rupees from Himachal's budget. Despite this, administrative arguments, including Himachal's geographical situation, the state's political structure after the reorganization of Punjab, and the structure of administrative units, have consistently advocated for the state's reorganization. Assembly constituencies located far from district headquarters should be closer to the district headquarters. For example, if Karsog is attached to Rampur district, the geographical argument will be justified. Nirmand, outside the fringes of Kullu, will also support Rampur. Joginder Nagar will follow Palampur for its future. The political ambitions of Dehra and Sarkaghat will be satisfied with the formation of new districts, but geographical distances are now bringing the wheel of time closer for the sake of road infrastructure and four-lane projects. Today, thanks to the four-lane, a person traveling from Mandi to Chandigarh can return home by evening, marking a new milestone. If the geographical arithmetic parameters are feasible through reorganization, then the state's 68 assembly constituencies should be divided into eleven districts, each with six assembly constituencies, in addition to two tribal-based districts. In this way, Himachal's only thirteen districts could embody practical, geographical, and political.

Punjab Struggling with Drug Abuse

Many young people are dying prematurely or becoming so physically and mentally disabled that they become a burden to their families. The number of drug addicts in the state continues to rise. Heroin worth ?40 crore recovered from a police constable's home.A man who spoke out against drug abuse is brutally murdered. The young generation is devastated by drug addiction, a clear political failure. The seizure of heroin worth ?40 crore from the home of a Punjab Police constable is a prime example of how Punjab, which has long grappled with the drug problem, is failing to curb drug trafficking. This constable's duty was to prevent drug trafficking, yet he himself was found involved in this crime. This is a case of the police killing the farm. Another example of how difficult it is to fight those involved in the drug trade in Punjab is the murder of a man who spoke out against drug abuse. Previously, such individuals have received threats or been attacked.

Every day, nws comes from Punjab about a drug consignment being seized, a drug trafficking network being dismantled, a drug smuggler being arrested, or a young drug addict succumbing to it. There was a time when access to and consumption of drugs was limited to urban areas, but now, a variety of synthetic drugs are reaching villages as well. It's no surprise that de-addiction centers, along with de-addiction campaigns, are operating everywhere, as the number of youth addicted to drugs shows no sign of decreasing. Many young people are dying prematurely or becoming physically and mentally disabled that they become a burden to their families. The number of drug addicts in the state continues to rise. Not only young men, but young women are also falling prey to drug addiction.

Punjab, once known for its healthy and hardworking youth, is now seeing many young people succumbing to drug addiction, ruining their health and their future. This is why the army and paramilitary forces are facing difficulty in finding physically and mentally capable youth. This situation indicates that the availability of drugs has created a serious crisis in Punjab. It is disappointing that every party that came to power in Punjab with the lofty promise of ridding the state of the drug problem has failed. This failure appears to be rooted in a lack of political will. Punjab has no shortage of leaders who are accused of protecting drug traffickers. There is no denying that Pakistan is sending drugs to destroy Punjab's young generation, but it is able to do so because the drug traffickers in the state are unable to be controlled. Punjab will only be free from the grip of drug abuse when this problem is tackled on a war footing.

Crisis Arising from the Misuse of Laws

The widespread misuse of laws poses a crisis of confidence in the rule of law in the country. Finance Minister's Relief on the Misuse of GST Laws: Pending Cases, Undertrial Prisoners, Burden the Justice System, Exceptions to Arrest, Penalties for False Complaints. Recently, Finance Minister Nirmala Sitharaman provided significant relief to businesses facing the misuse and complexities of the GST law. According to the new system, GST officers will no longer be able to arrest businesses citing GST laws; they will need to obtain a court order.

There is no doubt that GST laws have been misused in the country, but this misuse is not limited to the GST law or any single law, and it is not necessarily exclusive to officials; cases of misuse by the public are also frequently reported.Laws are the foundation of the country, and the entire nation's social, political, economic, and legal structure is based on laws. Laws are enacted to ensure the safety of citizens and the fulfillment of their rights, and to maintain peace, security, discipline, order, development, and progress in society and the country.

Laws are enacted with the aim of ensuring their honest and truthful application and compliance. However, the situation becomes dire when laws enacted with good intentions are misused. This situation not only poses a serious challenge to the rule of law in the country but also weakens that very concept and creates a crisis of trust.

The misuse of laws in personal disputes is a long-standing problem in India. Today, it is no longer confined to individual disputes; it has become a serious structural crisis involving the judicial system, the police system, and the culture of litigation.

The law should be used to ensure the honest implementation of rights and obligations. However, when a law is used as a tool for coercion, retaliation, profiteering, or delay, its moral and constitutional balance is disturbed.

The country's backlog of cases, undertrials, and an overburdened criminal justice system have created favorable conditions for the misuse of laws. According to the National Judicial Data Grid, as of July 30, 2026, a total of 49,911,920 cases were pending, covering millions of criminal and civil disputes. As of December 31, 2024, India's prisons had a capacity of 453,769, but 511,542 prisoners were incarcerated, meaning prisons were operating at 112.7 percent capacity. On the same date, 371,440 prisoners were undertrials, representing approximately 72.6 percent of the total prison population.

Almost every law in India is commonly misused, but the most widespread abuse is seen in marital, family, property, and caste-related disputes. While many cases involve genuine serious grievances, in some cases, complaints are used as a means of revenge, pressure, or compromise.

There has been an increasing trend of filing false FIRs and securing arrests in domestic disputes, dowry-related allegations, property disputes, and neighborhood disputes. Regardless of the outcome of the case, the defendant suffers social, economic, and psychological harm throughout the process.

This is why the problem of abuse cannot be dismissed simply as a "false case." It is also a problem of "procedural punishment." A root cause of the problem is the excessive use of arrests.

In many cases, the police operate on the principle of "detain first, then investigate." This increases the risk of abuse of the law, as arrest itself becomes a punishment. Arrests impact jobs, reputations, families, businesses, and mental health, even if the individual is later acquitted.

The solution to this crisis lies in making laws more precise, accountable, and timely. The first requirement is to make arrests an exception, not an automatic response. Second, to implement compensation and appropriate penalties for complaints filed with false, malicious, or vindictive motives. Third, make preliminary investigations by the police and prosecution more credible, so that every dispute doesn't escalate directly into a criminal case. Fourth, reduce backlogs by increasing court capacity, as delays themselves create grounds for abuse. Digital justice management can be useful in this direction.

Regular analysis of court, police, and prosecution data can identify which provisions are most controversial, which areas are frequently filing false or weak cases, and where the imbalance between bail and pendency is greatest.

Transparency can limit abuse, as misuse of laws often thrives in the dark. Data-driven monitoring and accountability can help identify systemic flaws early.

A Time of Crisis for the United States

Saudi Arabia's Crown Prince Mohammed bin Salman urged the United States to attack the Houthis, but the Trump administration refused to open a new front in Yemen, citing a shortage of weapons due to the ongoing war with Iran and the open conflict in Ukraine. The Russia-Ukraine and US-Iran wars now share a geopolitical chessboard. US military weapons stockpiles, particularly Patriot missiles, are depleted. Iran has strengthened its grip on vital maritime energy routes. While the Russia-Ukraine and Israel-US-Iran wars began in different regions, for different reasons, and at different times, as they have dragged on, they have become increasingly interconnected. They now appear to be part of a single geopolitical chessboard. Unofficially, these wars are interconnected. They can no longer even be called regional wars or conflicts, as they have affected areas from northern Russia to the Caspian Sea, and from the Persian Gulf to the Gulf of Oman. Russia and Iran may not have directly declared war against the United States, but they are fighting this war in cooperation. Until the joint Israeli-American attack on Iran in February 2026, Iran was supplying Russia with cheap but deadly drones on a large scale. When war broke out with the United States, unable to do so due to its own needs, Russia began supplying Iran with deadly Gran drones. Based on its extensive experience in combating the air defense systems deployed by the United States and Western countries in Ukraine, Russia further upgraded these drones to enable them to penetrate Western defense systems, and the impact of this has been evident in the Iran-US war over the past several months. American and Israeli air defense systems are unable to thwart Iranian drone attacks, leading to a seemingly endless war. Iran and Russia's cooperation is not limited to the ground battlefield. Western intelligence agencies estimate that at least 14 Russian satellites patrolling space are continuously sharing real-time geospatial, radar, and signals intelligence with Iran, enabling Iranian forces to repeatedly target US military bases in the Gulf countries, resulting in significant losses for US forces.ssian bases through Ukraine, and to deplete US weapons stockpiles to the point where it cannot provide further aid to Ukraine. The effects of this are already visible. The simultaneous Russia-Ukraine war and the US-Iran conflict have led to a severe shortage of defense equipment for the US military. The Pentagon has warned that if another major global war were to break out at this time, the US risks completely depleting its weapons stockpile.

भाजपा विधायक के घर पिटाई मामला: मुरादाबाद पुलिस की जांच दस दिन से ठप; दिल्ली में रामू की हालत फिर बिगड़ी

भाजपा विधायक सुशांत सिंह के रतूपुरा स्थित आवास पर तीन युवकों की पिटाई के मामले में दस दिन बाद भी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। पुलिस ने अब तक किसी से पूछताछ भी नहीं की है। उधर, दिल्ली के मैक्स अस्पताल में भर्ती रामू की हालत फिर बिगड़ गई है।बिजनौर की बढ़ापुर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक सुशांत सिंह के रतूपुरा स्थित आवास में तीन युवकों की पिटाई के आरोपों की जांच जस की तस है। दस दिन बीतने के बाद भी जांच आगे नहीं बढ़ सकी। पुलिस का पूरा फोकस रामू के घर जाने वाले लोगों को रोकने पर है। उधर, दिल्ली में अस्पताल में भर्ती रामू की हालत फिर बिगड़ गई है।रामू की पत्नी ज्योति का दावा है कि उनकी दिक्कत बढ़ती ही जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिवार इलाज कराने के बाद कार्रवाई कराने की बात कह रहा है जबकि परिवार ने पहले ही दिन तहरीर दे दी थी। डिलारी की शांति कुंज कॉलोनी निवासी राजू, अतुल और लविश के मकान आस-पड़ोस में हैं।रामू का इलाज दिल्ली में चल रहा है जबकि बाकी दो रतूपुरा स्थित अस्पताल में भर्ती हैं। रामू की मां ने नौ अक्तूबर को प्रार्थना पत्र दिया था लेकिन पुलिस ने अब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। इस घटना को दस दिन बीत गए हैं लेकिन अब तक न तो किसी से पूछताछ की गई और न ही किसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।दिल्ली के मैक्स अस्पताल में भर्ती रामू की हालत शनिवार को फिर बिगड़ गई। रामू की पत्नी का दावा है कि उसके पति की हालत में सुधार नहीं हो रहा है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि परिवार के लोगों के संपर्क में पुलिस है लेकिन परिवार ने पहले रामू का इलाज कराने की बात कही है। रिपोर्ट दर्ज कराने को कह रहे हैं। उधर रामू की बहन, मां और परिवार के अन्य लोगों का कहना है कि उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।बहन ने दी आत्मदाह की धमकी, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। जिसमें एक युवती खुद को रामू की बहन बता रही है। जिसमें वह बोल रही है कि पुलिस उनकी सुनवाई नहीं कर रही है। उनसे कोई मिलने आ रहा है तो पुलिस उन्हें रास्ते में ही रोक रही है। युवती वीडियो में बोल रही है कि अगर उनकी सुनवाई नहीं होगी तो वह महल में जाकर आत्मदाह कर लगेगी।जिसे लेकर सोशल मीडिया पर लोगों में आक्रोश पनप रहा है। कोई युवती के पक्ष में लिख रहे हैं तो कोई भाजपा विधायक का समर्थन कर रहे हैं। (हम सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो की पुष्टि नहीं करता है)

मुरादाबाद फर्जी पासपोर्ट मामला: महफूज और मुकेश ने कितने पासपोर्ट बनाए? अब STF करेगी जांच

मुरादाबाद में फर्जी पासपोर्ट बनाने वाले महफूज और मुकेश के मामले में अब एसटीएफ भी जांच करेगी।फर्जी पासपोर्ट मामले में एसटीएफ जांच शुरू। महफूज और मुकेश के नेटवर्क की पड़ताल। दीपक बाक्सर का फर्जी पासपोर्ट भी बना।हरियाणा के आरोपितों का फर्जी पासपोर्ट बनवाने वाले महफूज और बरेली के मुकेश अब तक कितने फर्जी पासपोर्ट बनवाए हैं अब इस मामले की जांच एसटीएफ भी करेगी। एसटीएफ ने कटघर पुलिस से पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी है।

एसटीएफ को अंदेशा है कि इस गिरोह ने कुछ और लोगों के फर्जी पासपोर्ट बनवाए है। रवि और पवन के अलावा किसके पासपोर्ट बने हैं इसकी जांच एसटीएफ करेगी। एसटीएफ की जांच में कुछ और नाम सामने आ सकते हैं। क्योंकि महफूज पिछले 25 साल से फर्जी पासपोर्ट बनवा रहा है।अगवानपुर निवासी महफूज आकाश निवासी फरीदपुर फरीदाबाद के सेक्टर-78 का तहारपुर के पते पर रवि नाम से पासपोर्ट बनवा रहा था। कटघर पुलिस ने सात अक्तूबर को महफूज अली और आकाश को गिरफ्तार किया था। महफूज ने आकाश का ताजपुर माफी निवासी प्रेमस्वरूप के बेटे रवि के नाम से पासपोर्ट बनवाने का प्रयास किया था। वेरिफिकेशन के लिए आकाश ने कटघर थाने में बिजली का बिल दिखाया, जो रवि के नाम से था। जांच में असली बिजली का बिल महफूज की पत्नी के नाम पर निकला। पता चला था कि महफूज ने फर्जी पासपोर्ट के दस्तावेज बनवाए हैं। पुलिस को जांच में पता चला कि इससे पहले वर्ष 2021 में कुख्यात लारेंस बिश्नोई के गुर्गे दीपक बाक्सर का भी पासपोर्ट बनवाया था।

मुकेश शर्मा को रिमांड पर लेने की तैयारी- इसी पासपोर्ट पर वह मैक्सिको गया था। जहां से बाद में उसे प्रत्यर्पण कर लाया गया। तब दिल्ली की एसआईटी ने आरोपित महफूज को कुछ समय बाद गिरफ्तार किया था। बरेली निवासी मुकेश शर्मा पासपोर्ट बनवाने वालों के नाम और फोटो महफूज को भेजता था।

दोनों आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस गोपनीय रूप से जांच में जुटी कि बीते सालों किसी और का तो इन्होंने फर्जी तरीके पासपोर्ट तो नहीं बनवाया है। अभी तक की जांच में दो संदिग्ध पासपोर्ट सामने आए हैं। अब उनकी जांच चल रही है। उधर पुलिस ने बरेली निवासी मुकेश शर्मा को रिमांड पर लेने की तैयारी कर ली है। क्योंकि उसकी पूछताछ के बाद ही पूरा नेटवर्क सामने आएगा। मुकेश ही लोगों को पासपोर्ट बनवाने के लिए महफूज के पास भेजता था। उधर मुरादाबाद एसटीएफ ने भी पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। एसटीएफ को उम्मीद है कि जांच में कुछ और लोगों का पता चल सकता है जिनके फर्जी पासपोर्ट बने है।एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पूरे मामले की जांच के लिए एसटीएफ ने कटघर पुलिस से कुछ जानकारी मांगी है। वह जानकारी उन्हें उपलब्ध करा दी गई है।

मुस्लिम बुजुर्ग के निधन पर रोक दिया रामलीला का मंचन, बिजनौर के गांव ने पेश की भाईचारे की मिसाल

85 वर्षीय गफूरन के निधन से गांव में छाया शोक, आदर्श रामलीला समिति ने जताई संवेदना; ग्रामीणों ने फैसले को बताया सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल- बिजनौर के धामपुर क्षेत्र के मोहड़ा गांव में 85 वर्षीय गफूरन के निधन पर आदर्श रामलीला समिति ने मंचन स्थगित कर दिया। ग्रामीणों ने इसे सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल बताया।उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में आपसी भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं की मिसाल देखने को मिली। धामपुर क्षेत्र के मोहड़ा गांव में एक मुस्लिम बुजुर्ग महिला के निधन पर ग्रामीणों ने रामलीला का मंचन स्थगित कर दिया। आदर्श रामलीला समिति के इस फैसले को गांव के लोगों ने सामाजिक एकता और सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक बताया।

ग्रामीणों के मुताबिक, शनिवार को मोहड़ा गांव में रामलीला का आयोजन चल रहा था। इसी दौरान गांव के निवासी चिकित्सक डॉ. जाकिर की 85 वर्षीय मां गफूरन की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें उपचार के लिए धामपुर में एक चिकित्सक के पास ले जाया गया। वहां से लौटने के बाद शाम को उनका निधन हो गया।निधन की खबर से गांव में छाया शोक

गफूरन के निधन की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्राम प्रधान ऋषि चौहान ने रविवार को बताया कि गफूरन उनके लिए बुआ के समान थीं। उनके निधन से गांव के लोगों को गहरा दुख पहुंचा। इस दुखद घटना के बाद आदर्श रामलीला समिति ने शोक व्यक्त करते हुए रामलीला का मंचन स्थगित करने का निर्णय लिया। ग्रामीणों ने समिति के इस कदम की सराहना की और इसे दुख की घड़ी में एक-दूसरे के साथ खड़े होने की भावना से जुड़ा फैसला बताया।

मानवीय संवेदनाएं- गफूरन के बेटे डॉ. जाकिर और गांव के अन्य लोगों ने भी रामलीला स्थगित करने के फैसले की सराहना की। ग्रामीणों का कहना है कि किसी परिवार में शोक होने पर उसके दुख को समझना और संवेदनशीलता दिखाना सामाजिक एकता की पहचान है।

गांव के लोगों के मुताबिक, धार्मिक और सामाजिक आयोजनों का उद्देश्य केवल परंपराओं का निर्वाह करना नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करना भी है। रामलीला का मंचन रोकने का निर्णय इसी भावना को दर्शाता है। धार्मिक आयोजन से ऊपर रखीं

मुफ्त पढ़ाई करने पर बच्चे को किया प्रताड़ित, स्कूल के खिलाफ मां ने DM से की शिकायत

मुरादाबाद के पाकबड़ा स्थित एसएल एजुकेशन स्कूल में RTE के तहत पढ़ने वाले 10 वर्षीय छात्र को चोर कहकर दूसरे बच्चों से पिटवाने का आरोप लगा है। मां ने छ्रूडसे शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक निजी स्कूल में 10 साल के छात्र के साथ कथित दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। पाकबड़ा क्षेत्र के पक्षुपुरा घोसी स्थित एसएल एजुकेशन स्कूल में कक्षा चार में पढ़ने वाले बच्चे की मां ने स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बच्चे को कक्षा में चोर कहकर दूसरे छात्रों से पिटवाया गया। मामले में मां ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दी और कार्रवाई की मांग की है। कक्षा में चोर कहकर दूसरे बच्चों से पिटवाने का आरोप- कक्षा 4 के 10 वर्षीय छात्र अजीत प्रताप सिंह को सिर्फ इसलिए मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा क्योंकि वह सरकार की कल्याणकारी योजना (RTE) के तहत वहाँ पढ़ रहा था। 14 अक्टूबर को स्कूल परिसर में जो हुआ, उसने गुरु-शिष्य की परंपरा को शर्मसार कर दिया है। परिजनों की शिकायत के अनुसार, अध्यापिका सोनिया ने खेल के बहाने मासूम बच्चे को जबरन चोर ठहराया और खुद कानून बनने के बजाय क्लास के अन्य बच्चों को उसे पीटने के लिए उकसाया।परिवार का कहना है कि इस घटना से बच्चा डर गया है और मानसिक तनाव में है। RTE के तहत हुआ था दाखिला- बच्चे का दाखिला शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) के तहत मुफ्त शिक्षा के लिए कराया गया था। मां का आरोप है कि मुफ्त में पढ़ाई करने के कारण स्कूल में बच्चे के साथ भेदभाव किया जा रहा था।जब पीड़ित छात्र की मां स्कूल प्रशासन से शिकायत करने पहुंचीं, तो संस्थान के स्टाफ जावेद, सोनिया और योगेश चंद्र ने न्याय देने के बजाय उन्हें जातिसूचक गालियां दीं। मां को यह कहकर अपमानित किया गया कि उनका बच्चा स्कूल पर बोझ है।स्कूल जाने से डर रहा बच्चा- बच्चे की मां का कहना है कि घटना के बाद से उनका बेटा स्कूल जाने से डर रहा है। अपने बच्चे के साथ हुए कथित व्यवहार से परेशान होकर वह जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचीं और लिखित शिकायत देकर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले में परिवार ने संबंधित शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, उपलब्ध जानकारी में प्रशासन की जांच या स्कूल प्रबंधन का पक्ष सामने नहीं आया है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

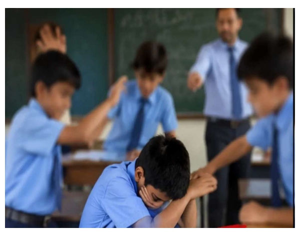

संक्षिप्त समाचार

सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलाने वालों पर शिकंजा, यूजर के साथ ग्रुप एडमिन पर भी होगी कार्रवाई

मुरादाबाद में भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों पर पुलिस प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। डीएम अनुज झा और एसएसपी सतपाल अंतिल ने बिना पुष्टि खबर, संदेश या वीडियो साझा न करने की अपील की है।मुरादाबाद पुलिस प्रशासन ने सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद यह कदम शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया है। डीएम अनुज झा और एसएसपी सतपाल अंतिल ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। डीएम ने लोगों से बिना पुष्टि के कोई भी खबर, संदेश या वीडियो साझा नहीं करने को कहा। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री की सत्यता जांचने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि गलत सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि भ्रामक सामग्री फैलाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की निगरानी की जा रही है।संदिग्ध मामलों में यूजर और ग्रुप एडमिन की भूमिका की जांच कर कार्रवाई होगी। यह निगरानी जनपद में शांति और सामाजिक सौहार्द के लिए महत्वपूर्ण है।

मुरादाबाद समेत 4 रेलवे स्टेशनों पर मिलेंगे ब्रांडेड सामान, लगेंगे परफ्यूम और एक्सेसरीज के स्टॉल

उत्तर रेलवे मुरादाबाद, बरेली, देहरादून और हरिद्वार स्टेशनों पर परफ्यूम, जूते-चप्पल व एक्सेसरीज के स्टॉल लगाएगा।मुरादाबाद सहित चार स्टेशनों पर परफ्यूम, एक्सेसरीज के स्टॉल। यात्रियों को स्टेशन पर ही जरूरत का सामान मिलेगा। स्टॉल आवंटन ई-नीलामी से, आवेदन 26 अक्टूबर 2026 तक।उत्तर रेलवे ने यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुरादाबाद मंडल के चार प्रमुख जंक्शनों पर परफ्यूम, जूते-चप्पल और अन्य एक्सेसरीज की बिक्री के लिए स्टॉल आवंटित करने की योजना बनाई है। इससे यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही जरूरत का सामान खरीदने की सुविधा मिलेगी। मुरादाबाद, बरेली, देहरादून और हरिद्वार स्टेशन भी इस योजना में शामिल हैं। रेलवे की ओर से 255 वर्गफीट की स्टॉल आवंटित करने के लिए इच्छुक कारोबारियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि स्टॉल का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। रेलवे ने इससे संबंधित जानकारी इंडियन रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) पोर्टल पर अपलोड की है।अमृत भारत योजना में नगीना, कोटद्वार व बुलंदशहर के स्टेशन तैयार- अमृत भारत के 19 स्टेशनों में नगीना, कोटद्वार व बुलंदशहर के नए स्टेशन बनकर तैयार हो गए हैं। कोटद्वार का स्टेशन पहाड़ों की थीम पर बनाया गया है। इसकी वास्तुकला में पहाड़ी क्षेत्रों की शैली दी गई है। बुलंदशहर नगीना का 20 करोड़, कोटद्वार का दस करोड़ व बुलंदशहर का 10 करोड़ की लागत से स्टेशन बनाया गया है। तीनों ही स्टेशनों की नई बिल्डिंग बनाई गई है। रेलवे स्टेशन का मुख्य द्वार, क्लास-दो श्रेणी के वेटिंग रूम, स्टेशन मास्टर कक्ष, पार्किंग, दिव्यांगों की पार्किंग, शौचालय,प्लेटफॉर्म समेत स्टेशनों को नए तरीके से बनाया गया। नगीना व बुलंदशहर में प्लेटफॉर्म पर लिफ्ट व नया फुटओवर ब्रिज बनाया गया है। इससे पूर्व धामपुर, बिजनौर, हरंवाला स्टेशन के उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर चुके हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके मान सम्मान और सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक कराया

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर राजा / मुरादाबाद मिशन शक्ति फेस 6.0 के महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ गोष्ठी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे- मिशन शक्ति में महिला हेल्पलाइन नंबर वूमेन पावर लाइन-1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा - 112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर - 1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए स्स्ञ 02 थाना मुगलपुरा जनपद मुरादाबाद

दो गुटों के विवाद में बुजुर्ग की गोली लगने से मौत, दो सगे भाई तमंचे सहित गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली आंवला ।मोहल्ला लठैता में पुरानी रंजिश और मारपीट के विवाद में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग के दौरान 80 वर्षीय बुजुर्ग सज्जाद अहमद की गोली लगने से मौत हो गई।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्यारोपी दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त अवैध तमंचा और 15 जिंदा कारतूस बरामद कर लिए हैं। क्या था पूरा मामला- पुलिस के अनुसार, छात्र-छात्रा के विवाद और वीडियो डिलीट कराने को लेकर दोनों पक्षों में पहले मारपीट हुई थी। शनिवार को इसी रंजिश में दूसरे पक्ष के युवक को घेरकर पीटा गया। सूचना पाकर पहुंचे मोहित और रोहित गुप्ता ने विरोधियों पर फायरिंग कर दी। इस दौरान बीच-बचाव में आए बुजुर्ग सज्जाद अहमद को गोली लग गई, जिनकी अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस की कार्रवाई- घटना के बाद बदायूं रोड स्थित श्रीजी कॉलोनी के पास से पुलिस ने दोनों आरोपी भाइयों-मोहित गुप्ता और रोहित गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मोहित की निशानदेही पर उसके घर से .315 बोर का एक अवैध तमंचा और 15 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। दोनों आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर दोनों को न्यायालय भेज दिया है।

गौशाला में गोवंशों को खिलाया गन्ना और फल, सचिव ने बेटी का पहला जन्मदिन मनाकर पेश की अनूठी मिसाल

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर राजा / फतेहगंज पश्चिमी। विकास खंड फतेहगंज पश्चिमी में तैनात ग्राम पंचायत सचिव हर्ष चौहान ने रविवार को अपनी बेटी मिशिका का पहला जन्मदिन अनोखे अंदाज में मनाया। उनकी इस पहल की क्षेत्र में खूब सराहना हो रही है।

हर्ष चौहान रफियाबाद स्थित वृहद गौशाला के गोसंरक्षण केंद्र पहुंचे और निराश्रित गोवंशों को एक ट्राली गन्ना, पशु आहार तथा सेब, केला, ड्रैगन फ्रूट, मौसमी और तरबूज जैसे फल खिलाए। इस दौरान सचिव अपने परिवार के साथ मौजूद रहे। भूपेंद्र गंगवार, अंकित गंगवार, कमल गंगवार, गौशाला के केयर टेकर और अन्य ग्रामीण भी उपस्थित रहे।सचिव ने बताया कि गौशाला में बीमार गोवंशों के बेहतर इलाज और देखभाल के लिए अलग से सिक वार्ड बनाया जा रहा है, जिसका कार्य प्रगति पर है। उन्होंने मौजूद सभी केयर टेकरों को साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

बाल विवाह और बाल श्रम पर बरेली के कलाकारों की जोरदार चोट

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / ?बरेली , बदायूं। बाल विवाह मुक्त भारत और मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत विकास खंड कादर चौक के ग्राम ततारपुर में जागरूकता नुक्कड़ नाटक का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला प्रोबेशन अधिकारी ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में पंजीकृत वीर विजय नृत्य नाट्य संस्था (बरेली) के कलाकारों ने निर्देशक रवि प्रकाश सक्सेना के नेतृत्व में दमदार मंचन किया। हरजीत कौर, संजय कुमार, गोपाल श्रीवास्तव, प्रशांत, भोलानाथ, अर्जुन और मोहित कुमार ने ग्रामीण परिवेश के रोचक संवादों के जरिए बाल विवाह, बाल शोषण, बाल श्रम और ऑनलाइन डिजिटल हिंसा के खतरों को जीवंत कर दिया। नाटक के माध्यम से कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना और हेल्पलाइन नंबरों (1090, 181, 112, 1098) की जानकारी दी गई। महिला कल्याण विभाग से जिला मिशन समन्वयक छवि वैश्य ने कहा, जब पढ़ेंगी बेटियां, तभी आगे बढ़ेंगी बेटियां। बाल संरक्षण अधिकारी रवि कुमार और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग प्रभारी ने शोषण की रोकथाम व कानूनी अधिकारों पर जोर दिया।

चाइल्ड लाइन समन्वयक ने 1098 की कार्यप्रणाली समझाई। संस्था समन्वयक देवेंद्र पाल ने उपस्थित जनसमूह को बाल विवाह रोकने की शपथ दिलाई। अंत में संस्था सचिव मीना सिंह ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं और ग्रामीणों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया। इस दौरान चेतना, अनुपम, दुर्गा, रूबी, सत्येंद्र, अनिल, प्रवेंद्र, अवधेश सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

किसके मंडल अध्यक्ष कहां हैं, फोन करके बुलाओ; अलीगढ़ में भाजपा की क्लास में 27 में से 16 मिले गैरहाजिर

अलीगढ़ में भाजपा की क्लास में 27 में से 16 मंडल अध्यक्ष गैरहाजिर मिले। शिक्षक सम्मेलन में प्रदेश उपाध्यक्ष ने मंच से हाजिरी गिनी। इस दौरान गैरहाजिर पदाधिकारियों की सूची के साथ रिपोर्ट मांगी है।अलीगढ़ में विधानसभा चुनाव की तैयारी का पाठ पढ़ाने जुटी भाजपा की क्लास में 16 मंडल अध्यक्ष गैरहाजिर मिले। शनिवार को धर्म समाज महाविद्यालय में आयोजित शिक्षक सम्मेलन में जब प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य ने मंच से संगठन के पदाधिकारियों की हाजिरी गिननी शुरू की तो 27 में से 16 मंडल अध्यक्ष गायब मिले।

इस पर प्रदेश उपाध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए जिलास्तरीय पदाधिकारियों से गैरहाजिर अध्यक्षों की सूची के साथ रिपोर्ट तलब कर ली। जिले के 27 मंडलों में से केवल 11 मंडल अध्यक्ष ही सभागार में मौजूद थे। वहीं, शहर के आठ मंडलों की स्थिति भी जांच के दायरे में रही। पदाधिकारियों की गैरहाजिरी पर प्रदेश उपाध्यक्ष की नाराजगी खुलकर सामने आई। महाविद्यालय के रमेश चंद्र अग्रवाल सभागार में शुक्रवार को आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव-2026 के लिए भाजपा की ओर से शिक्षक सम्मेलन एवं कार्यकर्ता संवाद का आयोजन किया गया था।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी पहुंचे थे। उनके पहुंचने से करीब 25 मिनट पहले प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य पहुंचे। मंच पर पहुंचते ही उन्होंने सभागार में मौजूद कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की स्थिति जाननी चाही।पहले कार्यकर्ताओं को हाथ उठाकर उपस्थिति दर्ज कराने के लिए कहा। सभी की गिनती कराई गई। इसके बाद स्थानीय पदाधिकारियों की मदद से एक-एक मंडल अध्यक्ष का नाम और क्षेत्र पूछा जाने लगा। जैसे-जैसे नाम पुकारे गए, वैसे-वैसे संगठन की तस्वीर साफ होती गई। 16 मंडल अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी सभागार में नहीं मिले।

किसके मंडल अध्यक्ष कहां हैं, फोन करके बुलाओ- प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से पूछा कि आपके मंडल अध्यक्ष कहां हैं, फोन करके बुलाओ। इस पर कार्यकर्ता अपने मंडल अध्यक्ष की गैरमौजूदगी के बारे में अलग-अलग सूचना देते नजर आए। एक कार्यकर्ता ने बताया कि उनके मंडल अध्यक्ष नीचे हैं। किसी ने कहा कि वह रास्ते में हैं।

इस पर फोन करके उन्हें तुरंत बुलाने के निर्देश दिए गए। सम्मेलन में यह पड़ताल ऐसे समय हुई, जब भाजपा विधान परिषद चुनाव के जरिये शिक्षक और स्नातक मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है। ऐसे में मंडल स्तर के पदाधिकारियों की गैरमौजूदगी ने संगठन की सक्रियता पर सवाल खड़े कर दिए।

हमारे यहां तो वोट मांगने भी कोई नहीं आया- सम्मेलन के दौरान कुछ भाजपा नेता आपस में यह चर्चा करते नजर आए कि उनके यहां एमएलसी चुनाव में वोट मांगने के लिए कोई पहुंचा ही नहीं। उन्होंने अपने स्तर से ही मतदाताओं से संपर्क और वोटों के प्रबंधन की बात कही। इससे चुनावी तैयारियों में स्थानीय स्तर पर समन्वय पर भी सवाल उठे। विधान परिषद चुनाव को संगठन की सक्रियता परखने के मौके के तौर पर भी देखा जा रहा है। शिक्षक सम्मेलन में सामने आई गैरहाजिरी और पदाधिकारियों की उदासीनता ने संकेत दे दिए कि मिशन 2027 की राह में यह स्थिति बड़ा अवरोध साबित हो सकती है।

ये भी रहे मौजूद- हाथरस सांसद अनूप प्रधान, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बरौली विधायक ठाकुर जयवीर सिंह, छर्रा विधायक ठाकुर रविंद्र पाल सिंह, कोल विधायक अनिल पाराशर, इगलास विधायक राजकुमार सहयोगी, एमएलसी चौधरी ऋषिपाल सिंह, जिलाध्यक्ष चौधरी कृष्णपाल सिंह लाला प्रधान, महानगर अध्यक्ष राजीव शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण राज सिंह, पूर्व महापौर शकुंतला भारती।

कानपुर देहात: ट्रैक्टर की टक्कर से बुक स्टोर संचालिका की मौत, परिजनों ने चार घंटे बाद उठने दिया शव

शिवली-रूरा मार्ग पर देवीपुर गांव के पास रविवार दोपहर 11:30 बजे के करीब ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार बुक स्टोर संचालिका की मौत हो गई। हादसे से नाराज परिजन ने मुआवजे की मांग कर हंगामा कर दिया। पुलिस के समझाने पर बात न बनने पर पूर्व सांसद व मैथा तहसीलदार की ओर से मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया तो चार घंटे बाद परिजन ने पुलिस को शव उठाने दिया। रूरा थाना क्षेत्र के कुडरा वीरपुर नकसिया निवासी देवेंद्र पाल ने बताया कि भाई सर्वेश पाल पंजाब में प्राइवेट नौरकी करते हैं। जबकि भाभी उषा पाल 35 देवीपुर स्थित इंटर कॉलेज के पास बुक स्टोर का संचालन करती थीं। रविवार सुबह भाभी बाइक सवार से लिफ्ट लेकर बुक स्टोर पर जा रही थीं। देवीपुर गांव के पास पहुंचने पर शिवली की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे भाभी बाइक से उछल कर दूर जा गिरीं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।डर के चलते बाइक सवार मौके से भाग निकला। अनहोनी पर पति सर्वेश, बेटे अनुज, अंशु, अमन व परिजन रोने लगे। परिजन ने मुआवजा दिलाए जाने की मांग कर शव सड़क किराने रख लिया। मौके पर आई रूरा व शिवली थाना पुलिस ने बच्चों के भविष्य के लिए मुआवजे की मांग पर अड़ गए। इसपर पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी और मैथा तहसीलदार संतोष कुमार मौके पर आए और कृषक बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपये का मुआवजा दिलवाने का आश्वासन देकर नाराज परिजन को शांत करवाया। रूरा थानाध्यक्ष सुधीर भारद्वाज ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। मैथा एसडीएम प्रतिभा मिश्रा ने बताया कि महिला को कृषक बीमा का लाभ दिलाया जाएगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

कृषि मेलों और आयोजनों पर खर्च होंगे 2.13 करोड़, टेंडर जारी

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। जनपद में और बाहर वर्ष 2026-27 के दौरान होने वाले कृषि कार्यक्रमों के लिए कृषि विभाग ने 2.13 करोड़ का टेंडर जारी किया है। यह पूरी प्रक्रिया जेम (GeM) पोर्टल के माध्यम से संपन्न कराई जाएगी। विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किसान गोष्ठियों, प्रशिक्षण शिविरों, एक्सपोजर विजिट्स और किसान पाठशालाओं में टेंट, फर्नीचर, साउंड सिस्टम, पेयजल, सामान्य व मिलेट्स लंच पैकेट, प्रचार-प्रसार सामग्री तथा वाहनों की व्यवस्था पर यह राशि खर्च होगी। उप कृषि निदेशक कार्यालय ने बिड संख्या GEM/2026/B/8078333 के तहत निविदाएं आमंत्रित की हैं। कार्य के लिए कुल अनुमानित लागत 2,13,00,000 तय की गई है, जिसके सापेक्ष 1 प्रतिशत धरोहर राशि 2,13,000 रखी गई है। इच्छुक फर्में जेम पोर्टल के जरिए अपनी निविदा डाल सकती हैं।

अवैध तमंचे व कारतूस के साथ शातिर ब्रिटानिया गिरफ्तार , 8 मुकदमे दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शातिर बदमाश को अवैध हथियार सहित दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर नार्थ रेलवे कॉलोनी के जंगल से अभियुक्त अरविन्द उर्फ ब्रिटानिया निवासी ग्राम नदौसी (थाना सीबीगंज) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 12 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह लोगों पर रौब जमाने, डराने-धमकाने और अपनी सुरक्षा के लिए यह तमंचा पास रखता था। पुलिस के मुताबिक, अभियुक्त के खिलाफ पूर्व में शस्त्र अधिनियम, चोरी, आबकारी अधिनियम समेत विभिन्न थानों में कुल 8 आपराधिक मामले दर्ज हैं। कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है।

बरेली ITI : रिक्त सीटों पर पांचवें चरण का सीधा दाखिला शुरू, 19 अक्टूबर तक मौका

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। जनपद के सभी राजकीय और निजी आईटीआई संस्थानों में सत्र 2026-27 की खाली सीटों पर पांचवें चरण का प्रवेश वॉक-इन सिद्धांत पर शुरू हो गया है। नोडल प्रधानाचार्य के अनुसार, सीटों का संस्थानवार व ट्रेडवार विवरण एससीवीटी पोर्टल पर जारी है। पूर्व व नए पंजीकृत अभ्यर्थी 18 और 19 अक्टूबर 2026 तक सीधे संस्थान पहुंचकर दाखिला ले सकते हैं। अभ्यर्थी अपने साथ मूल प्रमाण पत्र, अंकपत्र, उनकी एक-एक सत्यापित प्रति और दो पासपोर्ट साइज फोटो अवश्य लाएं। 19 अक्टूबर के बाद किसी भी दशा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

शिक्षक एमएलसी चुनाव: बरेली में मतदान के दिन शराब की दुकानें रहेंगी बंद, डीएम ने जारी किया आदेश

बरेली में शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए 23 अक्तूबर को मतदान होगा। इस दिन जिले में शराब की दुकानें बंद रहेंगी। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने लोक शांति व्यवस्था के लिए यह आदेश जारी किया है। जिसके तहत देसी शराब, कंपोजिट शॉप, मॉडल शॉप और भांग की दुकानें बंद रहेंगी।शिक्षक एमएलसी चुनाव के मतदान दिवस यानी 23 अक्तूबर को बरेली जिले में शराब की दुकानें बंद रहेंगी। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मतदान के दिन ड्राई डे घोषित करते हुए आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, मतदान के दिन लोक शांति व्यवस्था के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत देशी शराब, कंपोजिट शॉप, मॉडल शॉप और भांग की फुटकर दुकानों के साथ थोक अनुज्ञापनों, बार, सीएसडी डिपो, सैन्य और अर्द्धसैनिक कैंटीनों में मदिरा और मादक पदार्थों की बिक्री, आपूर्ति बंद रहेगी। मदिरा उत्पादक इकाइयों और डिस्टलरी से भी इस दिन मदिरा की बिक्री एवं आपूर्ति प्रतिबंधित रहेगी। चुनाव मैदान में हैं 17 प्रत्याशी बरेली-मुरादाबाद खंड से शिक्षक एमएलसी के चुनाव में 17 प्रत्याशी हैं। इसमें भाजपा के डॉ. हरि सिंह ढिल्लों और सपा के हाजी दानिश अख्तर के अलावा 15 निर्दलीय प्रत्याशी शामिल हैं। निर्धारित चुनाव कार्यक्रम के तहत 23 अक्तूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। 27 अक्तूबर को मतगणना होगी। दौरान मतदाता को अपनी पहचान साबित करनी होगी।

सीतापुर में लकड़ी काटने से मना करने पर युवक की हत्या, आरोपी ने अलग-अलग काटकर फेंके थे अंग

सीतापुर के तालगांव क्षेत्र से दस दिन पहले लापता 18 वर्षीय हीरालाल का शव लहरपुर के पतवारा गांव में खेत से टुकड़ों में बरामद हुआ। पुलिस ने हत्या के आरोप में एक युवक को हिरासत में लिया है। शुरुआती जांच में लकड़ी काटने से मना करने पर विवाद की बात सामने आई है। मामले की जांच जारी है।तालगांव कोतवाली क्षेत्र से दस दिन पहले लापता हुए 18 वर्षीय युवक हीरालाल का शव शनिवार रात लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के पतवारा गांव में एक खेत में टुकड़ों में बरामद हुआ। पुलिस ने हत्या के आरोप में एक युवक को हिरासत में लिया है। उसकी निशानदेही पर शव के अलग-अलग हिस्से बरामद किए गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सात अक्टूबर से लापता था युवक- तालगांव क्षेत्र के भुलभुलिया मजरा दनियालपुर निवासी छत्रपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका इकलौता बेटा हीरालाल सात अक्टूबर को लहरपुर के मजाशाह चौराहे स्थित मजदूरी अड्डे पर काम की तलाश में गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। काफी तलाश करने के बाद परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पिता के अनुसार, शारदा नहर रेगुलेटर के पास लगे सीसीटीवी कैमरों में हीरालाल साइकिल चलाता दिखाई दिया था। उसके पीछे अकैचनपुर टप्पा निवासी लवलेश बैठा था। छत्रपाल ने लवलेश पर बेटे की हत्या कर शव छिपाने का आरोप लगाया था।लकड़ी काटने से मना करने पर हत्या की आशंका- पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर पतवारा गांव के खेत में शव फेंकने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शव के अलग-अलग हिस्से बरामद किए। सीओ अभिषेक कुमार ने बताया कि लकड़ी काटने से मना करने को लेकर हत्या किए जाने की बात सामने आई है। आरोपी को हिरासत में लिया गया है। संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। युवक की मौत से परिवार में मातम पसरा है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

शिवा शर्मा हत्याकांड: बहन श्रद्धा और ड्राइवर पर इनाम बढ़ाकर 50-50 हजार रुपये किया, सरेंडर की अर्जी दी थी

शिवा शर्मा हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी श्रद्धा और चालक दानिश पर घोषित इनाम की राशि बढ़ाकर 50-50 हजार रुपये कर दी है।

पहले दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम था। पुलिस के अनुसार, दानिश ने बृहस्पतिवार को अदालत में आत्मसमर्पण के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।शिवा शर्मा हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी श्रद्धा और ड्राइवर दानिश पर घोषित इनाम की राशि बढ़ाकर 50-50 हजार रुपये कर दी है। पहले दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

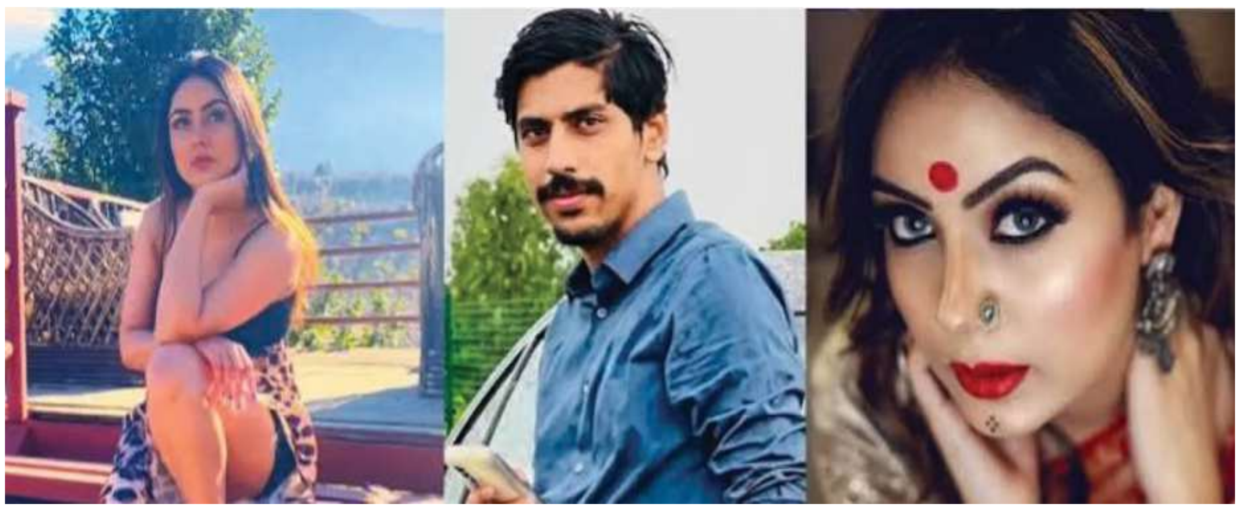

डीसीपी विक्रांत वीर ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि दोनों पर इनाम की राशि बढ़ाई गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ड्राइवर दानिश ने बृहस्पतिवार को अदालत में सरेंडर करने के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।यह है मामला- हजरतगंज के बालू अड्डा स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से संदिग्ध हालात में गिरकर नौ अक्तूबर की रात अलीगंज के कपूरथला निवासी चिकन कारोबारी और कैफे संचालक शिवा शर्मा की मौत हो गई थी।

शिवा की मां रंजना ने मॉडल श्रद्धा, उसकी बहन रश्मि, चालक दानिश, आदिल और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ हजरतगंज थाने में बेटे की हत्या की एफआईआर दर्ज कराई थी। घटना के बाद से ही आरोपी फरार हैं।

तीन दोस्तों की मौत: आगरा से मसूरी जा रहे थे घूमने, टक्कर लगते ही उड़ी थार की छत, 40 फीट गहरी खाई में गिरे युवक

आगरा से मसूरी घूमने के लिए पांच दोस्त खुशी-खुशी घर से निकले थे। साहिल तिवारी, सक्षम उपाध्याय और राहुल कुमार की मौत हो गई, जबकि सचिन वर्मा और हेमंत वर्मा को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर गांव बेलड़ा जुनारदार के पास गोल चक्कर पर रविवार तड़के तेज रफ्तार थार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद कार डिवाइडर को तोड़ते हुए दूसरी तरफ पलट गई। इस हादसे में आगरा निवासी साहिल तिवारी (25), सक्षम उपाध्याय (22) और राहुल कुमार (25) की मौत हो गई, जबकि दो साथी घायल हो गए। पांचों दोस्त घूमने के लिए आगरा से मसूरी जा रहे थे। हादसा झपकी आने की वजह से हुआ।शनिवार रात साहिल तिवारी निवासी शांतिनगर कमनानगर, सक्षम उपाध्याय निवासी रैनका बाग, राहुल कुमार निवासी टेहड़ी बगिया, सचिन वर्मा और हेमंत वर्मा निवासी निषाद मार्केट शालीमार एनक्लेव कमनानगर आगरा घूमने के लिए मसूरी जाने की बात कहकर घर से निकले थे।

हादसा रविवार तड़के करीब चार बजे हुआ। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर दिल्ली की तरफ से आ रही उनकी थार गांव बेलड़ा जुनारदार के पास गोल चक्कर पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। थार की रफ्तार इतनी तेज थी कि डिवाइडर से टकराने के बाद करीब 20 फीट रेलिंग तोड़ते हुए दूसरी ओर पलट गई। साहिल और सक्षम करीब 40 फीट नीचे खाई में जा गिरे। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को जिला अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने साहिल, सक्षम और राहुल को मृत घोषित कर दिया। हादसे का पता लगने पर मृतकों के परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। पुलिस की जांच में सामने आया कि थार की रफ्तार अधिक थी। चालक को झपकी आने पर कार अनियंत्रित हुई, जिसकी वजह से हादसा हुआ।

हेमंत चला रहा था कार- सचिन वर्मा व हेमंत वर्मा को भर्ती कर इलाज किया। थार को हेमंत चला रहा था। उसके बराबर में सचिन बैठा था, जबकि साहिल, सक्षम और राहुल पीछे वाली सीट पर बैठे थे। हादसे से करीब आठ घंटे पहले सक्षम ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर थार पर बैठे वीडियो डाली थी। वीडियो देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेसवे की बताई जा रही है। सचिन ने हादसे के बाद अनजान नंबर से की थी कॉल- हादसा होने के बाद घायल सचिन ने अनजान नंबर से अपने दोस्त नरेश की बहन को कॉल की थी। नरेश ने बताया कि रविवार सुबह करीब चार बजे बहन का कॉल आया था, जिसने हादसे होने की जानकारी दी थी। इसके बाद नरेश अपनी कार से सहारनपुर आया।ये बोले एसपी- प्रथम दृष्टया तेज रफ्तार की वजह से हादसा होने की बात सामने आई है। घटनास्थल पर टीम को भेजकर जांच कराई गई है। हादसे के अन्य कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।- शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव, एसपी यातायात

संक्षिप्त समाचार

मथुरा में तीसरी मंजिल से गिरे मजदूर: महिला की मौत, युवक गंभीर घायल; गेस्ट हाउस में चल रहा था मरम्मत कार्य

मथुरा के वृंदावन में गेस्ट हाउस में कार्य कर रहे दो मजदूर तीसरी मंजिल से गिर पड़े। हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि गंभीर घायल है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मथुरा के वृंदावन में रमन रेती क्षेत्र स्थित श्यामा श्याम आश्रम के पीछे गेस्ट हाउस में जर्जर दीवार उतारने के दौरान एक महिला सहित दो मजदूर तीसरी मंजिल से गिर गए। महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना के करीब डेढ़ घंटे बाद मौके पर पुलिस ने पहुंच कर जांच शुरू की है। श्याम श्याम धाम के समीप एक गेस्ट हाउस की तीसरी मंजिल पर मध्य प्रदेश निवासी 27 वर्षीय रचना और बाटी गांव निवासी 30 वर्षीय कप्तान दीवार उतारने का काम कर रहे थे। तभी अचानक दीवार के साथ दोनों मजदूर तीसरी मंजिल से नीचे गौशाला की ओर जा गिरे। गेस्ट हाउस के कर्मचारियों ने कार से घायलों को सेवाश्रम अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया, जबकि युवक मजदूर का उपचार जारी है, जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के करीब डेढ़ घंटे बाद पुलिस को जानकारी हुई। पुलिस सेवा शर्मा अस्पताल पहुंची और उसके बाद घटनास्थल पर जांच पड़ताल कर रही है। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह का कहना है कि तीन मंजिला गेस्ट हाउस में मरम्मत का कार्य चल रहा था। तीन मंजिला इमारत से गिर कर एक मजदूर महिला की मौत हो गई है जबकि दूसरे का उपचार चल रहा है। घटना की जांच की जा रही है।

हापुड़ में यूजीसी पर हंगामा: महापंचायत रोकने पर भड़के प्रदर्शनकारी, धौलाना-पिलखुवा मार्ग किया जाम

रविवार को महापंचायत में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने तहसील परिसर के आस-पास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई। यूजीसी के नए नियमों के विरोध में रविवार को

यूपी के हापुड़ स्थित धौलाना तहसील परिसर में प्रस्तावित महापंचायत को रोकने पर हंगामा हो गया। तहसील परिसर में प्रवेश नहीं मिलने से नाराज प्रदर्शनकारियों ने धौलाना-पिलखुवा मार्ग पर जाम लगा दिया। इस दौरान पुलिस से जमकर नोंकझोंक और हंगामा हुआ। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया।कई किए गए नजरबंद-रविवार को महापंचायत में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने तहसील परिसर के आस-पास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई। आरोप है कि कुछ लोगों को धरनास्थल तक पहुंचने से रोकने के लिए उनके गांवों में ही नजरबंद कर दिया गया। प्रदर्शनकारी- प्रदर्शनकारियों का विरोध बढ़ने पर पुलिस अधिकारियों ने उनसे बातचीत कर स्थिति सामान्य करने का प्रयास किया। वहीं, किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। महापंचायत को रोके जाने और प्रदर्शनकारियों के विरोध के चलते क्षेत्र में काफी देर तक गहमागहमी बनी रही। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठकर हंगामा करने लगे। दोपहर बाद तक हंगामा की स्थिति जारी थी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौहल्ला बाजार वार्ड संख्या-11, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-281/53, जो गृहकर अभिलेखों में श्री मुश्ताक पुत्र श्री अजीमुल्ला, निवासी मौहल्ला बाजार कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज है। पर श्रीमती परबीन जहाँ पत्नी मुरसलीम, निवासी मौहल्ला बाजार डाक बंगले के सामने, कस्बा व तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के रकबाई 83.63 वर्गमीटर पर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक-03/10/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के विक्रय पत्र (बैनामें) की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गई है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	281/53	बाजार	श्री मुश्ताक पुत्र श्री अजीमुल्ला	श्रीमती परबीन जहाँ पत्नी श्री मुरसलीम

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जाएगा, दर्ज करने उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद बिलारी (मुरादाबाद)

गरबा में यूट्यूबर का हंगामा, जूते-चप्पल उतारने की कही बात, फिर पंडाल में झूमने लगीं, छिड़ी ये चर्चा

बेला कस्बे की रहने वाली यूट्यूबर आकांक्षा का एक गरबा-डांडिया कार्यक्रम के दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शनिवार रात औरैया शहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आकांक्षा के अचानक झूमने और अजीब व्यवहार करने को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।औरैया जिले में गरबा-डांडिया कार्यक्रम में शनिवार रात बेला निवासी यूट्यूबर आकांक्षा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। कार्यक्रम के दौरान उनके अचानक झूमने और अजीब व्यवहार करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कुछ लोगों ने इसे देवी आने से जोड़कर दावा किया, जबकि कुछ लोग इसे लेकर अलग-अलग तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। शहर में शनिवार रात गरबा-डांडिया कार्यक्रम हुआ। यहां पहुंचीं आकांक्षा ने पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा के पास रखे जूते-चप्पलों को लेकर सवाल उठाए और बाद में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो पोस्ट किए। बताया जा रहा है कि इसके कुछ देर बाद वह अचानक झूमने लगीं। इस दौरान वह वहां मौजूद लोगों को जूते-चप्पल उतारने की बात कहते हुए जमीन और प्रतिमा के पास रखी मेज पर हाथ पटकती नजर आईं।आकांक्षा ने स्वयं देवी आने का कोई दावा नहीं किया- कार्यक्रम में मौजूद कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने इस घटनाक्रम के वीडियो बनाए और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा किया। देखते ही देखते वीडियो वायरल हो गए। कुछ लोगों ने इसे देवी आने से जोड़कर प्रचारित किया, जिससे मामला चर्चा में आ गया। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आकांक्षा ने स्वयं अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर देवी आने का कोई दावा नहीं किया है।जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है मामला- इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे धार्मिक आस्था से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि कुछ लोग घटना के पीछे की वास्तविक वजह जानने की बात कह रहे हैं। वहीं, इसे प्रचार पाने की कोशिश बताने वाली चर्चाएं भी हो रही हैं।

सफलता के लिए एआई, सोशल मीडिया का माध्यम जीवन में उतारें: प्रोफेसर डॉ. रवींद्र पाल

बद्रीप्रसाद महाविद्यालय में आयोजित हुआ कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच। सेठ बद्रीप्रसाद स्मृति महाविद्यालय में शनिवार को आयोजित कैरियर काउंसलिंग में हॉवर्ड विश्विद्यालय अमेरिका के प्रोफेसर डॉ. रवींद्र पाल सिंह ने छात्र छात्राओं से संवाद कर उन्हें महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

उन्होंने कहा कि सफलता के लिए एआई, सोशल मीडिया का माध्यम जीवन में उतारें।

प्रो. रविंद्र पाल सिंह एवं महाविद्यालय के डायरेक्टर आशुतोष हूका ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। डॉ. रविंद्र पाल सिंह ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से संवाद कर %विचारों से प्रभाव विषय पर कहा कि अपने मन में ऐसी गतिविधियों को शामिल करें जो शिक्षकों-कर्मचारियों और विद्यार्थियों की झिझक दूर करे। ऐसी गतिविधियों को व्यावहारिक रूप से जीवन में उतारें। जीवन में कभी हताश न हों। ऑनलाइन तमाम ऐसे रोजगार हैं जो आपकी छोटी-छोटी जरूरतें पूरी कर सकते हैं। आशुतोष हूंका ने कहा कि यह गौरव का क्षण है जब विश्व के प्रतिष्ठित विश्विद्यालय के प्रोफेसर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं के भविष्य के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे। संचालन मृदुल दांतरे किया, आभार कोऑर्डिनेटर कन्हैया नीखर ने जताया। इस मौके पर प्राचार्य ब्रजबल्लभ सिंह, राजीव रेजा, डॉ. नईम बॉबी, प्रभारी प्राचार्य डॉ. ब्रजेंद्र सिंह निरंजन आदि मौजूद रहे।

माता कालरात्रि की पूजा-अर्चना, मंदिरों में गूंजे भजन-कीर्तन

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच शारदीय नवरात्र के अंतर्गत रविवार को माता कालरात्रि की पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों और घरों में भक्तों की भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर विधि-विधान से पूजन किया। कुछ भक्तों ने अष्टमी तिथि लगने के बाद हवन कर कन्या-बरुओं को भोजन कराया तथा उन्हें दक्षिणा और उपहार भेंट किए। वहीं, कुछ श्रद्धालु सोमवार सुबह अष्टमी तिथि में व्रत का पारायण करेंगे। इसके बाद नवमी तिथि पर मंगलवार को नवमी पूजन किया जाएगा। रुस्तम नगर सहसपुर स्थित श्री राम आश्रम काली मंदिर में चल रहे नवचंडी महायज्ञ में रविवार को डॉ. अमरीश शर्मा, सपना शर्मा, अजय सक्सेना, श्वेता, ध्रुव सिंह और रेखा सिंह यजमान के रूप में शामिल हुए। यहां पहले पीठ पूजन किया गया, इसके बाद हवन हुआ। हवन के उपरांत यजमानों ने यज्ञशाला की परिक्रमा की। माता की आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर में सुबह-शाम पूजा-अर्चना और संकीर्तन में शामिल होने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। पंडित राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि नवचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति मंगलवार दोपहर 12 बजे होगी। उधर, मंदिर पौड़ा खेड़ा स्थित काली मंदिर, नगालिया जट, बिलारी, सहसपुर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के चामुंडा मंदिरों में सुबह पूजा-अर्चना और शाम को भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। शिव मंदिर बच्चा बाग में पंडित ताराचंद शर्मा ने अष्टमी का हवन कराया। इसमें विश्व कल्याण की कामना की गई। मंदिर में सुधा शर्मा, बाला , शुभि , मधु शर्मा, शोभा दीक्षित, सरिता, दीप्ति और मिथिलेश गुप्ता सहित अन्य महिलाओं ने संकीर्तन किया।

सात माह पहले हुई लव मैरिज का अंत: दंपती ने साथ बैठकर पी शराब, इस कारण हुआ विवाद; हसिया से हमला कर छत से फेंका

यूपी के झांसी जिले में सात माह पहले हुई लव मैरिज का खौफनाक अंत हुआ है। रात में पति ने हसिया से जानलेवा हमले के बाद पत्नी को छत से फेंककर हत्या कर दी। सुबह होने पर आरोपी ने पुलिस को गुमराह किया। आरोपी ने पुलिस से कहा कि पत्नी की हादसे में छत से गिरकर मौत हुई है।उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में पत्नी के साथ शराब पीने के दौरान हुए विवाद में पति ने हसिया से वार करके पहले उसे बुरी तरह से लहूलुहान कर दिया, उसके बाद छत से नीचे फेंककर हत्या कर दी। आरोपी पुलिस को गुमराह करने के लिए पत्नी की हादसे में छत से गिर जाने की बात कहने लगा। पोस्टमार्टम कराने पर तेज धार हथियार से आई चोट का पता चला। आरोपी पति लालाराम (32) को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने हत्या की बात कुबूल कर ली। उसकी निशानदेही पर कत्ल में इस्तेमाल हसिया भी बरामद कर लिया गया है। शनिवार को आरोपी को कोर्ट के सामने पेश किया गया, यहां से उसे जेल भेज दिया गया।कोतवाली के अंजनी माता मंदिर के पास रहने वाला लालाराम और दीपमाला (27) ने सात महीने पहले प्रेम विवाह किया गया था। परिजनों के मुताबिक, दीपमाला की पहली शादी नरसिंहपुर (मप्र) निवासी सुरेश कहार से हुई थी। दंपती को दो बेटे हैं। 14 जनवरी को सुरेश की मौत हो गई।इसके बाद दीपमाला ने बबीना के नयाखेड़ा बड़ेरा निवासी लालाराम से शादी कर ली। लालाराम कारोबारी छोटू राय के यहां काम करता है। लालाराम ने पुलिस को बताया बुधवार रात काम से लौटने के बाद वह चार पाउच शराब लेकर घर गया।

पत्नी दीपमाला के साथ उसने शराब पी। शराब पीने के दौरान चखना बनाने को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। दीपमाला उसके साथ गाली-गलौज करने लगी। गुस्सा आने पर लालाराम ने पास में रखे हसिया से दीपमाला पर जानलेवा हमला कर दिया।सिर में चोट आने से वह अचेत हो गई। लालाराम ने उसे छत से नीचे फेंक दिया। शराब के नशे में होने से वह सो गया। बृहस्पतिवार सुबह नींद खुलने पर छत के नीचे पत्नी दीपमाला मृत अवस्था में मिली। उसने पड़ोसियों से रात में नीचे जाने के दौरान पांव फिसलने से दीपमाला की मौत की बात बताई।

सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस पहुंची। पुलिस को भी उसने यही कहानी सुनाई। कोतवाल अंजन कुमार सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसमें उसने हत्या की बात कुबूल कर ली।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने खोली झूठ की पोल- कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। इसमें शरीर में धारदार हथियार की चोट के निशान मिले थे। पुलिस को उसके पति पर ही पहला शक हो गया। पति लालाराम पुलिस को बार-बार कह रहा था कि छत से उतरते समय दीपमाला फिसलकर नीचे गिर गई।

हत्या में इस्तेमाल हसिया भी उसने घर से काफी दूर स्थित झड़ियों में फेंक आया था। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर पड़ोसियों ने बताया कि पति-पत्नी अक्सर शराब पीकर झगड़ा करते थे। दीपमाला के अंतिम संस्कार के बाद पुलिस ने आरोपी पति लालाराम को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।शुरू में लालाराम ने बताया कि पड़ोसी अरुण ने उसे नीचे गिरता देखा। अपने मालिक छोटू राय को भी उसने हादसे की बात बताई थी। पुलिस ने जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में धारदार हथियार से आई चोट के बारे में बताया तब लालाराम टूट गया। आखिर उसने हत्या की बात कुबूल कर ली। एसपी सिटी प्रीति सिंह के मुताबिक दीपमाला की मां गीताबाई की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया है।

खोपड़ी पर लगा था खून का टीका और सिंदूर, तालाब के पास प्लास्टिक की बोरी में मिला मानव का कटा सिर

यूपी के झांसी जिले में लक्ष्मी तालाब के पास प्लास्टिक की बोरी में मानव खोपड़ी मिली है। खोपड़ी मिलने की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। खोपड़ी पर न का टीका और सिंदूर लगे होने के कारण तंत्र-मंत्र से जुड़ा होने की आशंका जताई है।झांसी कोतवाली थाना इलाके में लक्ष्मी तालाब कुंड के पास प्लास्टिक की बोरी में मानव खोपड़ी मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। खोपड़ी के माथे पर खून का टीका और सिंदूर लगा हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर खोपड़ी को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी। बताया गया कि कुंड के पास कूड़ा इकट्ठा किया जाता है। यहां रोजाना की तरह कुछ बच्चे पन्नी और प्लास्टिक की बोतलें बीनने पहुंचे थे। इसी दौरान एक लड़की ने बोरी खोली तो उसमें मानव खोपड़ी दिखाई दी। यह देखकर वह डर गई और मौके से भाग गई।स्थानीय पार्षद राहुल कुशवाहा समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने खोपड़ी पर खून का टीका और सिंदूर लगे होने के कारण तंत्र-मंत्र से जुड़ा होने की आशंका जताई है।पुलिस इसकी जांच कर रही है। कोतवाल अंजन कुमार सिंह का कहना है कि फॉरेंसिक विशेषज्ञ साक्ष्य जुटा रहे हैं। जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि खोपड़ी कितनी पुरानी है और मामले की वजह क्या है ।

पांच की मौत: मेरे लाल वापस आ जा न.., पहले बड़े बेटे ने की थी खुदकुशी, अब छोटे बेटे का पूरा परिवार खत्म

ग्रेटर नोएडा में पांच की मौत मामले में नई जानकारी सामने आई है। आठ वर्ष पहले बड़े बेटे ने भी खुदकुशी की थी। अब छोटे बेटे का परिवार भी खत्म हो गया। रात में परिवार मेला देखकर आया था। सुबह बिस्तर पर लाशें मिली। मामला संपत्ति विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है।ग्रेटर नोएडा में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। शुक्रवार रात मेला देखकर हंसी-खुशी घर लौटे महेश, उसकी पत्नी और तीनों बच्चों के लिए अगली सुबह जिंदगी का आखिरी पड़ाव साबित होगी इसका किसी को अंदाजा नहीं था। जानकारी के अनुसार, करीब आठ साल पहले महेश के बड़े भाई और उसकी पत्नी ने पारिवारिक विवाद के चलते ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या कर ली थी। अब महेश, उसकी पत्नी और तीन बच्चों की मौत के बाद परिवार में पहले हुई इस घटना को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।परिवार से जुड़े लोगों के मुताबिक, महेश के पिता कृष्ण ने वर्ष 2000 से 2005 के बीच नगला पदम सिंह गांव में करीब 10 बीघा जमीन खरीदी थी। वर्ष 2009 में यमुना प्राधिकरण से जमीन के बदले परिवार को करीब 1.25 करोड़ रुपये का मुआवजा मिलने का दावा किया गया है।परिजनों के अनुसार, मुआवजे की रकम तीनों बेटियों को बांट दी गई थी। प्राधिकरण से मिलने वाला सात प्रतिशत विकसित भूखंड भी बेटियों को देने की बात कही गई है। आरोप है कि दोनों बेटों को इसमें हिस्सा नहीं मिला था।परिवार के मुताबिक, महेश के पिता की वर्ष 2023 में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद महेश की मां ने दिल्ली स्थित पुश्तैनी मकान भी दो बेटियों के नाम कर दिया था। आरोप है कि 18 अगस्त 2025 को नगला पदम गांव में स्थित 167 वर्गमीटर का मकान भी एक बेटी को बेच दिया गया। इस मकान में महेश अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। परिजनों का दावा है कि संपत्ति के बंटवारे को लेकर पहले भी तनाव की स्थिति बनी थी। जानकारी के अनुसार महेश के बड़े भाई राहुल ने चोला रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या की थी। परिवार से जुड़े लोगों का दावा है

वनखंडीनाथ धाम में प्राचीन दीवारें ढहीं, 17वीं सदी की ईंटें मिलने से उठे सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। नाथ नगरी की प्राचीन धार्मिक धरोहरों में शामिल जोगी नवादा स्थित बाबा वनखंडीनाथ धाम में नए निर्माण के बीच पुराने मंदिर के अवशेषों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। गर्भगृह के पास की प्राचीन नींव और दीवारों को ध्वस्त कर बाहर भव्य निर्माण कराया गया है।

मंदिर परिसर में विशाल गुंबद और नई संरचना तैयार हो चुकी है। इस दौरान खुदाई में करीब 17वीं शताब्दी की बताई जा रही ईंटें और अन्य पुरानी सामग्री मिलने का दावा किया जा रहा है। इसके बावजूद निर्माण कार्य के दौरान पुरातत्व विभाग की निगरानी नहीं होने को लेकर संरक्षण पर सवाल उठ रहे हैं।

मंदिर की पहचान पर सवाल- मंदिर परिसर में नए निर्माण ने भव्य रूप जरूर ले लिया है, लेकिन पुराने ढांचे को हटाए जाने और खुदाई में मिले अवशेषों के संरक्षण को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, खुदाई के दौरान मिली ईंटें करीब 17वीं शताब्दी की हो सकती हैं। हालांकि, इनकी वास्तविक उम्र और ऐतिहासिक महत्व की आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

ऐसे में सवाल है कि प्राचीन सामग्री की पहचान और जांच के लिए विशेषज्ञों की मदद ली गई या नहीं। यदि अवशेष ऐतिहासिक महत्व के हैं तो उनका दस्तावेजीकरण और संरक्षण जरूरी है। इस मामले में संबंधित विभागों की भूमिका और निर्माण से जुड़े तथ्यों की पुष्टि होना बाकी है।शिवलिंग के रंग बदलने की मान्यता, औरंगजेब से भी जुड़ी कथा

बाबा वनखंडीनाथ धाम को लेकर कई धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि मंदिर में स्थापित शिवलिंग दिन में तीन बार अपना रंग बदलता है। वहीं, एक प्रचलित कथा के अनुसार, मुगल शासक औरंगजेब ने मंदिर और शिवलिंग को खंडित करने का प्रयास किया था, लेकिन वह सफल नहीं हो सका।

इन कथाओं को स्थानीय धार्मिक परंपराओं का हिस्सा माना जाता है। मंदिर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और पुराने निर्माण की वास्तविक उम्र का निर्धारण हालांकि प्रमाणिक ऐतिहासिक दस्तावेजों और पुरातात्विक जांच के आधार पर ही किया जा सकता है।

टीएससीटी ने आठ शिक्षक एवं शिक्षामित्र परिवारों को बांटे कन्यादान योजना के चेक

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। टीचर्स सेल्फ केयर टीम बरेली की ओर से कन्यादान योजना के तहत आठ शिक्षक एवं शिक्षामित्र परिवारों को बेटियों के विवाह के लिए 51-51 हजार रुपये के चेक वितरित किए गए।

टीम की इस पहल का उद्देश्य जरूरत के समय सदस्य परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना और शिक्षक समुदाय में आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना है ।जिला प्रभारी कन्यादान योजना हरीश गंगवार ने कहा कि टीचर्स सेल्फ केयर टीम शिक्षकों को एक मंच पर जोड़कर दिवंगत शिक्षकों के परिवारों की मदद करने के साथ कन्यादान योजना के माध्यम से भी सदस्य परिवारों को आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है।

जिलाध्यक्ष अनुज वीर गंगवार ने कहा कि कन्यादान योजना संगठन की महत्वपूर्ण कल्याणकारी पहल है। इससे बेटियों के विवाह के अवसर पर परिवारों को आर्थिक संबल मिलता है और शिक्षक समुदाय में सहयोग, विश्वास तथा सामाजिक जिम्मेदारी की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम में प्रांतीय मीडिया प्रभारी नरेंद्र प्रताप गंगवार, जिला प्रभारी हरीश गंगवार, जिला सह प्रभारी लखमी चंद्र अहेरिया, जिला कोषाध्यक्ष सौरभ गुप्ता, जिला प्रवक्ता शमीम अहमद, जिला सहसंयोजक मोनिका जुनेजा सहित नवल किशोर, पंकज सिंह, फारूक अहमद, चित्रसेन गंगवार और भारत वीर गंगवार मौजूद रहे।

Important to know: Do you spend your entire day in the office or at home? This habit is increasing the risk of vitamin deficiency in people.

Vitamin D is essential for calcium absorption in the body and maintaining healthy bones and muscles. Sunlight, fatty fish, and egg yolks are good sources. Are you a victim of this? Vitamin D is one of the most important nutrients for the body. This nutrient is needed to maintain healthy bones, teeth, and muscles, as well as to regulate calcium and phosphate levels in the body. Vitamin D deficiency can lead to bone deformities like rickets. Surprisingly, cases of this vitamin deficiency are more prevalent in urban populations. Health experts say that vitamin D deficiency can increase bone problems and weaken the immune system, so ensuring adequate dietary intake is essential. Media reports indicate that people living in urban areas have less exposure to sunlight. People spend most of their time in offices or homes, or urban homes are becoming so cramped that sunlight doesn't reach many homes even during the day, significantly increasing the risk of such problems. Vitamin D deficiency - Reports indicate that a significant proportion of urban residents suffer from vitamin D deficiency. This vitamin is produced in the body when the skin is exposed to sunlight. Its deficiency can cause bone diseases such as osteoporosis and musculoskeletal disorders. It also increases the risk of diabetes. A deficiency in this vitamin in children can also lead to developmental problems. It is also considered essential for boosting immunity. Let's explore how it can be supplemented. Spend time in sunlight - 20 micrograms of vitamin D daily is considered sufficient for adults. Sunlight exposure can easily meet this requirement. It is one of the easiest sources of vitamin D. Experts say everyone should spend some time in the morning sunlight. It's essential. How to supplement through diet? Some foods are naturally rich in vitamin D. Fatty fish, meat, and fish liver oil are also good sources. Egg yolks, cheese, and milk can also provide this vitamin. Studies have shown that consuming mushrooms and dairy products can also help overcome this vitamin deficiency. Eat oranges - Oranges are generally known for their vitamin C content, but they also contain trace amounts of vitamin D. They are rich in antioxidants that help the body fight infection. Oranges are a rich source of vitamin D. It protects our cells from damage and helps the body produce collagen. Collagen heals wounds and smooths the skin.

Important to know: After Type 1 and Type 2, what is Type 3C diabetes? Are you a victim?

Type 3C diabetes is caused by damage to the pancreas. This problem can be exacerbated by prolonged inflammation, pancreatic cancer, or surgery. Do you know about Type 3C diabetes? Diabetes is a serious health problem that can affect the entire body. Everyone from children to the elderly suffers from it. According to the International Diabetes Federation, approximately 589 million adults worldwide aged 20-79 suffer from diabetes. When we think of diabetes, the first things that come to mind are Type 1 and Type 2 diabetes. In a report published in Amar Ujala, we discussed Diabetes Lada 1.5. But did you know that there is also a type of diabetes, Type 3C? Type 3C diabetes is often mistaken for Type 2 diabetes, which can delay its proper diagnosis and treatment. Let's learn why type 3C diabetes occurs, what its symptoms are, and what kind of health risks it can cause. Medical reports indicate that type 3C diabetes can be caused by problems with the pancreas. The pancreas is a vital organ in the body, producing insulin and enzymes that aid digestion. The hormone insulin regulates blood sugar (glucose). When the pancreas fails to function properly due to illness, injury, or surgery, the body may lack insulin, leading to a rise in blood sugar. This condition can increase the risk of type 3C diabetes. How is type 3C diabetes different? Diabetes causes elevated blood sugar levels in the body. In type 1 diabetes, the immune system mistakenly attacks insulin-producing cells. In type 2 diabetes, the body cannot use insulin properly or does not produce enough insulin. Diabetes that occurs during pregnancy is called gestational diabetes. Type 3C diabetes is diabetes caused by a disease related to the pancreas. Damage to the pancreas can lead to decreased insulin production and the production of enzymes essential for digestion. This can lead to blood sugar and digestive problems. Why does Type 3C diabetes occur? The main cause of Type 3C diabetes is believed to be problems or damage to the pancreas. There are many diseases and causes behind it. People with pancreatitis may also be at risk for Type 3C. This is inflammation in the pancreas, which damages cells. Cancer in the pancreas can also affect the ability to produce insulin. There is also a risk of developing diabetes after removing part or all of the pancreas due to disease or other reasons. Conditions like cystic fibrosis and hemochromatosis can also affect the pancreas and increase the risk of diabetes. What is the diagnosis of Type 3C diabetes? Type 3C diabetes can also cause digestive problems along with the usual symptoms of diabetes. If you already have pancreatic inflammation and are now experiencing weight loss or digestive problems along with increased blood sugar, it's important to consult a doctor. Frequent thirst and urination. Feeling tired and weak. Weight loss without any apparent reason. Abdominal pain, gas, and bloating. Frequent diarrhea. Low blood sugar (hypoglycemia). What problems can this cause and how is it treated? Controlling blood sugar can be difficult in type 3C diabetes. In addition to insulin, the pancreas can also affect the production of the hormone glucagon. Glucagon helps raise blood sugar when it drops too low. Its deficiency and digestive problems can cause fluctuating blood sugar levels. Long-term poor blood sugar control can cause damage to the eyes, kidneys, nerves, and heart. Poor nutrient absorption can also lead to weight and nutrition problems.

Mouth Ulcers: Not Just Stomach Heat, These Nutritional Deficiencies Can Cause Recurrent Mouth Ulcers

Recurrent mouth ulcers can be caused by numerous factors, including deficiencies in iron, vitamin B12, folate, and zinc. Stress and certain illnesses can also contribute. To prevent ulcers, eat a balanced diet and maintain oral hygiene. Mouth ulcers are a common problem and can affect anyone. The wounds caused by ulcers can make eating and drinking difficult. While in most cases, ulcers heal on their own or with gentle treatment within two to three days, if you experience recurring ulcers, it's important to understand the underlying cause. It's generally believed that ulcers are caused by stomach heat or excessively spicy foods, but understanding the underlying cause is crucial. Medical reports indicate that mouth ulcers can sometimes be caused by a lack of essential nutrients, excessive stress, or other health problems. Let's explore the possible causes of mouth ulcers and when you should be alert. Frequent mouth ulcers? Medical reports indicate that mouth ulcers are more common in people with nutritional deficiencies like iron, vitamin B12, folate, and zinc. However, if you experience frequent mouth ulcers, they could be a sign of other health problems that require serious attention. Mouth ulcers can also be caused by cuts on the cheek or tongue, burns from hot food, injuries from brushing, or sharp edges of teeth. Stress, anxiety, hormonal changes, and certain foods can also aggravate the occurrence of mouth ulcers. Celiac disease, Crohn's disease, and the side effects of certain medications can also cause mouth ulcers. Nutritional deficiencies can also be a cause. Studies have found that a lack of certain nutrients in the body can also cause frequent mouth ulcers. Iron deficiency can be a cause. Iron helps form hemoglobin, which carries oxygen through the blood. Its deficiency can cause anemia, fatigue, weakness, and mouth ulcers. Vitamin B12 is essential for the formation of red blood cells and maintaining a healthy nervous system. Its deficiency can cause pain or redness in the tongue and mouth ulcers. Folate, or vitamin B9, is essential for cell formation and red blood cell production. Its deficiency can also cause mouth ulcers. To combat this, eat green leafy vegetables, lentils, and beans. Zinc helps with wound healing and immune function. Due to its deficiency, some people experience recurring ulcers. What to do if you have ulcers? Health experts say that if you have ulcers, avoid eating very spicy, sour, salty, or extremely hot foods. Eat soft foods, drink plenty of water, and brush your teeth with a soft toothbrush. Gargling with half a teaspoon of salt mixed in a glass of lukewarm water can also provide pain relief for some people. However, if ulcers recur, it's important to investigate the cause. If a mouth ulcer doesn't heal within three weeks, grows larger, or bleeds, consult a doctor. If recurring ulcers are accompanied by fever, difficulty swallowing, or sores on other parts of the body, it's important to pay close attention.

Ishita Dutta: Has the 'Drishyam 3' actress come out in support of Deepika Padukone? She said this on the demand for eight-hour shifts.

'Drishyam 3' actress Ishita Dutta has spoken out on Deepika Padukone's demand for eight-hour shifts. Let's find out what she has to say. Recently, when Deepika Padukone left the film 'Spirit', reports surfaced that the decision was made because she demanded an eight-hour shift. Since then, discussions have begun in Bollywood about long working hours. Recently, 'Drishyam 3' actress Ishita Dutta supported Deepika's demand. What did Ishita say about the demand for eight-hour shifts? Speaking to Free Press Journal, Ishita said, "Whether or not to offer eight-hour shifts is a personal choice, so the production house can refuse. But making such a big issue out of it and trying to discredit it is wrong. There are many actors who are willing to work 12-15 hours." But you can't belittle another person's demands by calling them "unreasonable." What is the actress's wish? The actress further said, "When you become a mother yourself, you understand how much hard work and time it takes. If I were in a position where I could make demands, I probably would too. I don't think I'm at that stage yet." How does Deepika fight her battles? Earlier, in a conversation with CNBC-TV18, Deepika Padukone spoke about the ongoing debate about working conditions and pay equality in Bollywood. She said, "I've done this on many levels. This is nothing new to me. I think as far as pay is concerned, I've faced every situation related to it. I don't know what to call it, but I've always fought my battles silently." I don't know why, sometimes these things become public, which is different from my way and my upbringing has also not been like this. Collection of 'Drishyam 3' - Let us tell you that the film 'Drishyam 3', which was released in theatres on October 2, has made a good collection at the box office. In 12 days, it had earned more than Rs 501 crore worldwide. Till the time of writing this news, its total collection in India has become Rs 330.68 crore. It stars Ajay Devgan, Shriya Saran, Tabu, Jaideep Ahlawat and Prakash Raj.

Horror Film: Kriti Sanon is ready to scare audiences, will present a terrifying scene; next project will be with Maddock.

Actress Kriti Sanon will soon be seen in a horror film. She is set to return to the big screen to frighten audiences. Fans have received a new update regarding the actress after recently emerging from controversies. Actress Kriti Sanon is set to star in another horror film after "Bhediya." According to reports, this film will be a large-scale production. Currently, only Kriti's involvement with the film has been revealed.A film based solely on horror - Actress Kriti Sanon's upcoming film will be directed with a focus on horror. Recently, Bollywood has mostly produced horror-comedy films. However, this film will completely frighten audiences. However, the makers have not given any hints regarding the film's shooting or story. Currently, information about who will direct the film is unknown. The film is being produced under the banner of Maddock Films. This banner has previously produced horror films like 'Stree', 'Bhediya' and 'Munjya'. Therefore, it can be assumed that this film can prove to be powerful. Kriti Sanon gave the answer - Kriti appeared in the promo of 'What Women Want', a very popular talk show and podcast hosted by Bollywood actress Kareena Kapoor Khan. During this, she said to Kriti, 'I can't believe that my choli became the topic of discussion of a panel of six people in prime time news.' To this, Kareena said, 'I know.' At the end of the show, when Kriti was asked what women really want, she replied, 'Not to be judged and people should mind their own business.'

Bigg Boss 20: Shilpa Shinde comes out in support of Nakul Dhull, demands his re-entry into the show; shares post

In the last episode, Nakul and Gullu got into a scuffle, after which Nakul was evicted from the house. Now, actress Shilpa Shinde has come out in support of Nakul. Find out what the whole matter is. The show "Bigg Boss 20" has witnessed high-voltage drama in recent days. Nakul Dhull, who entered the show via wildcard, fought with Gullu in the last episode, after which Bigg Boss took strict action and evicted Nakul from the house. Now, Shilpa Shinde has given her opinion on this entire matter. What did Shilpa Shinde say? After Nakul was evicted from Bigg Boss, Shilpa seemed unhappy with the decision. Shilpa shared a post expressing her opposition to this decision. In the caption of the post, Shilpa wrote, "Bring him back...he didn't hit me, he just pushed me. This has happened many times in Bigg Boss." In addition, the photo she shared also read, "Bring him back, because he's not completely wrong." Users reacted to Shilpa's post. Some people supported Shilpa's post. One user wrote, "Bring Nakul back, he deserves another chance." Another user wrote, "Shilpa ji, you're absolutely right." Some others justified Bigg Boss's decision. One user wrote, "No, he's very negative and irritating. Let him stay out." Another user wrote, "Shilpa ma'am, I didn't expect this from you." Shilpa's post - How the fight between Nakul and Gullu happened - In fact, Qazi jokingly spits in Scout's ear. Afterward, when Scout is alone, Nakul goes and tells him that Qazi is saying on the other side that he spit in your ear. Scout then takes Nakul to clarify the matter. When the scouts ask Qazi about this, Qazi says it was all a joke. But Nakul exaggerates the matter. Meanwhile, Qazi tells Gullu that it was all a joke, you should explain it to Nakul. Nakul says how can he explain it to me. Gullu then asks Nakul why he is making a big deal out of it. Nakul says that he will make a big deal out of it. Nakul then confronts Gullu. A scuffle breaks out between the two. The situation escalates to such an extent that the family members have to intervene.